नई दिल्ली ■ शनिवार 21 मार्च 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 352 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 शोर में डूबती सड़कें, बेकाबू बीट्स, बेहाल समाज | 07 न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर श्रृंखला में बढ़त बनाई | प्री-इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा... 08

युद्धविराम की शर्त पर विश्व के 6 देशों ने की होर्मुज संकट पर मदद की पेशकश

ब्रुसेल्स। पश्चिम एशिया में करीब तीन हफ्तों से जारी युद्ध के बीच बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स में हुई यूरोपीय शिखर बैठक के बाद ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और नीदरलैंड ने कहा है कि वे होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने में योगदान देने को तैयार हैं।

हालांकि इटली, जर्मनी और फ्रांस ने साफ कर दिया है कि किसी भी तरह की ठोस पहल केवल युद्धविराम के बाद ही संभव होगी। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से सामान्य समय में वैश्विक कच्चे तेल और एलएनजी (द्रवीकृत प्राकृतिक गैस) का लगभग 20% गुजरता है। ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल टकराव से यहां स्थिति बेहद गंभीर हो गई है। द ऑस्ट्रेलियन सहित विभिन्न मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और नीदरलैंड ने गुरुवार को कहा कि वे होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रयासों में योगदान देने के लिए तैयार हैं। इस समूह ने कहा कि वे उन देशों की प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं जो प्रारंभिक योजना बनाने में लगे हुए हैं। साथ ही उन्होंने खाड़ी में निहत्थे वाणिज्यिक जहाजों पर ईरान द्वारा हाल ही में किए गए हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की। हालांकि इटली, जर्मनी और फ्रांस ने बाद में यह स्पष्ट कर दिया कि वे किसी तत्काल सैन्य मदद की बात नहीं कर रहे हैं बल्कि युद्धविराम के बाद एक संभावित बहुपक्षीय पहल की बात कर रहे हैं। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब जलडमरूमध्य पर ईरान की प्रभावी नाकेबंदी ने इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से होने वाली वाणिज्यिक शिपिंग को ठप कर दिया है। शांति के समय में इस मार्ग से दुनिया के कच्चे तेल और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस का पांचवां हिस्सा गुजरता है।

28 फरवरी को यह युद्ध तब शुरू हुआ जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर बमबारी शुरू की, जिसके जवाब में तेहरान ने पूरे खाड़ी क्षेत्र में हमले किए। अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन के अनुसार, इस स्थिति के कारण जलडमरूमध्य के पश्चिम में लगभग 3,200 जहाजों पर सवार लगभग 20,000 नाविक फंसे हुए हैं। इस बीच 10 टैंकरों सहित 23 वाणिज्यिक जहाजों ने घटनाओं की सूचना दी है या बताया कि उन पर हमला हुआ है। सहयोगी देशों के संयुक्त बयान में कहा गया कि हम बढ़ते संघर्ष पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं। साथ ही कहा कि हम ईरान से आह्वान करते हैं कि वह अपनी धमकियों, बारूदी सुरंगें बिछाने, ड्रोन और मिसाइल हमलों तथा वाणिज्यिक जहाजों के लिए जलडमरूमध्य को अवरुद्ध करने के अन्य प्रयासों को तत्काल बंद करे। इटली के रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसेटो ने कहा कि छह देशों के इस बयान को 'जंगी मिशन' के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बिना किसी युद्धविराम और एक बड़े पैमाने पर बहुपक्षीय पहल के होर्मुज में कोई एंट्री नहीं होगी और इसके लिए संयुक्त राष्ट्र का कानूनी ढांचा मुहैया कराना सही और उचित होगा। जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने कहा कि जर्मन सेना की किसी भी तरह की भागीदारी युद्धविराम के बाद की स्थिति पर निर्भर करेगी और इस बात पर भी कि क्या हम किसी अंतरराष्ट्रीय आदेश के तहत इसमें हिस्सा ले पाएंगे।

उन्होंने आगे कहा कि सेना की भागीदारी के लिए जर्मनी की संसद की मंजूरी भी जरूरी होगी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पत्रकारों से कहा कि उनका देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के स्थायी सदस्यों से इस बारे में बात करने की योजना बना रहा है कि भविष्य की योजनाओं के लिए संयुक्त राष्ट्र का कोई ढांचा बनाया जा सकता है या नहीं। यह तब होगा जब होर्मुज जलडमरूमध्य में चल रही गोलीबारी बंद हो जाएगी, ताकि वहां जहाजों की आवाजाही सुरक्षित हो सके।

मिसाइल हमले में आईआरजीसी के प्रवक्ता जनरल अली मोहम्मद नैनी की मौत

तेहरान/वाशिंगटन/तेल अवीव। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के प्रवक्ता जनरल अली मोहम्मद नैनी की शुक्रवार को अमेरिकी-इजराइली हवाई हमले में मौत हो गई। नैनी को हालिया हमले में निशाना बनाया गया था। उन्होंने शुक्रवार को दम तोड़ दिया। ईरान के सरकारी मीडिया मैहर ने भी उनकी मौत की पुष्टि की है। अल जजीरा और दुनिया के प्रमुख संचार माध्यमों की रिपोर्ट के अनुसार आईआरजीसी के जनसंपर्क विभाग ने कहा कि उसके प्रवक्ता जनरल अली मोहम्मद नैनी एक इजराइली-अमेरिकी मिसाइल हमले में मारे गए हैं। आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि यह युद्ध तब तक जारी रहेगा, जब तक दुश्मन पूरी तरह से थक न जाए।

पश्चिम एशिया में अमेरिका कर रहा है तीन अतिरिक्त युद्धपोतों, 2500 अतिरिक्त मरीन सैनिकों की तैनाती

दुबई। अमेरिकी सेना पश्चिम एशिया में तीन अतिरिक्त युद्धपोत और लगभग 2,500 अतिरिक्त मरीन सैनिकों की तैनाती कर रही है। अमेरिका के एक अधिकारी ने शुक्रवार को पुष्टि की कि 'यूएसएस बॉक्सर' और दो अन्य पोतों के साथ ही 11वीं 'मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट' के लगभग 2,500 मरीन सैनिक अपने गृह बंदरगाह सैन डिएगो से रवाना हो चुके हैं और पश्चिम एशिया की ओर जा रहे हैं। दो अन्य अमेरिकी अधिकारियों ने जहाजों की तैनाती किए जाने की पुष्टि की, लेकिन यह नहीं बताया कि वे कहाँ जा रहे हैं। तीनों अधिकारियों ने संवेदनशील सैन्य अभियानों पर चर्चा करने के लिए नाम उजागर न करने की शर्त पर बात की।

दिल्ली के उपराज्यपाल संधू ने पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनकी पहली मुलाकात थी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए लिखा कि दिल्ली के उपराज्यपाल संधू ने उनसे भेंट की। इससे पहले उपराज्यपाल संधू ने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी उनके आवास पर मुलाकात की। संधू ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि बैठक के दौरान दिल्ली से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। उल्लेखनीय है कि तरनजीत सिंह संधू ने 11 मार्च को लोक निवास में दिल्ली के 23वें उपराज्यपाल के रूप में पदभार ग्रहण किया था।

भारत ने अफगानिस्तान को भेजी दवा और चिकित्सा की सहायता: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान के लिए दवा और चिकित्सा उपकरणों की एक खेप भेजी है। यह दवाएं 16 मार्च को हुए पाकिस्तानी हमले में घायल लोगों को ध्यान में रखकर भेजी गई हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट कर बताया कि काबुल को 2.5 टन आपातकालीन दवाएं, चिकित्सा सामग्री, किट और उपकरण भेजे गए हैं। रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत अफगान जनता के साथ एकजुटता से खड़ा है और इस कठिन घड़ी में हर संभव मानवीय सहायता प्रदान करता रहेगा। उल्लेखनीय है कि 16 मार्च की रात पाकिस्तान सैन्य बलों ने काबुल में ओमिद नशा मुक्ति उपचार केन्द्र (अस्पताल) पर हवाई हमला किया था। इसमें 400 से अधिक लोगों के मरने की बात कही जा रही है और 250 लोगों के घायल होने की खबर सामने आई है।

पिछले 15 दिनों से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी संघर्ष में बड़ी संख्या में जनहानि हुई है। भारत ने मानवीय आधार पर अफगानिस्तान को दवा व अन्य सहायता सामग्री भेजने की बात कही है। भारत हमेशा से अफगानिस्तान को अपना मित्र देश मानता रहा है।

उत्तर प्रदेश में आकाशीय बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत, फसलों को नुकसान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में शुक्रवार की सुबह मौसम का रुख अचानक बदल गया। तेज बारिश में आकाशीय बिजली गिरने से अलग अलग घटनाओं में प्रदेश में तीन लोगों की मौत हो गयी जबकि कई घायल हो गये।

बहराइच जिले में महसी इलाके के बदनपुरवा बंभौरी गांव में मुनऊ (30) की मौत हो गई। बलरामपुर जिले के धुसाह गांव के निवासी तीरथ वर्मा (30) की भी मौत आकाशीय बिजली की चपेट में आने से हुई । इसी प्रकार प्रयागराज में एक युवक की मौत हो गयी जबकि दूसरा युवक घायल हो गया। यहां कई गोवंश भी घायल हुए हैं। सीतापुर समेत कई जिलों में भी दीवार व छप्पर गिरने से भी लोग घायल हुए हैं।

गोदावरी नदी में नहाने गए इंजीनियरिंग के पांच छात्र लापता

हैदराबाद। तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले के प्रसिद्ध तीर्थस्थल भद्राचलम के पास गोदावरी नदी में नहाने गए इंजीनियरिंग के पांच छात्र लापता हो गए हैं। ये सभी छात्र एसआरएम इंजीनियरिंग कॉलेज अमरावती में बीटेक द्वितीय वर्ष के छात्र बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, यह घटना आंध्र प्रदेश के कुकुनूर मंडल के वेलैरु क्षेत्र में तब घटित हुई, जब सात छात्रों का एक समूह शुक्रवार को गोदावरी नदी के किनारे घूमने और फोटो खींचने गया था।

अवैध बेटिंग और सट्टेबाजी पर कार्रवाई, 300 वेबसाइट्स और ऐप्स ब्लॉक

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने ऑनलाइन चल रहे अवैध जुआ और सट्टेबाजी के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए 300 और वेबसाइटों व ऐप्स को ब्लॉक कर दिया है। 'ऑनलाइन गेमिंग एक्ट' लागू होने के बाद से इन गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार नए कानून के तहत अब तक कुल 4,900 प्लेटफॉर्म्स पर गाज गिरी है। पिछले आंकड़ों के साथ इनकी संख्या 8,400 हो जाती है।

आगरा में पेड़ से टकराई बोलेरो इटावा के 5 श्रद्धालुओं की मौत

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा जनपद में गुरुवार रात केला देवी राजस्थान से दर्शन कर लौट रहे इटावा निवासी श्रद्धालुओं की बोलेरो पेड़ से टकराकर चकनाचूर हो गई। इस हादसे में ने पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए।

दुर्घटना का कारण बोलेरो चालक को नींद की झपकी आना बताया जा रहा है। आगरा जनपद के थाना चित्रहाट अंतर्गत ग्राम पई के पास आधीरात लगभग 12 बजे बोलेरो (यूपी 79 एक्स 1851) पेड़ से टकरा गई । कार में चालक सहित नौ लोग सवार थे।

युद्धाभ्यास 'अमोघ ज्वाला' में भारतीय सेना के हथियारों ने दुश्मन के ठिकानों को निशाना बनाया

जोधपुर। सरहदी जिले जैसलमेर में भारतीय सेना ने अमोघ ज्वाला नाम का एक बड़ा युद्धाभ्यास किया। इस अभ्यास में सेना ने दिखाया कि आज के समय में युद्ध सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि डेटा, सिग्नल और इंटेलिजेंस से भी लड़ा जाता है। इस दौरान आसमान में उड़ रहे ड्रोन ने दुश्मन की सही लोकेशन पता लगाई। इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर की मदद से दुश्मन के सिग्नल को जाम कर दिया गया, ताकि वह कोई संपर्क न कर सके।

यानी दुश्मन को बिना सीधे लड़ाई के भी कमजोर किया जा सकता है। इस अभ्यास का निरीक्षण दक्षिणी कमान के जीओसी-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने किया। रेगिस्तान और मैदानी इलाकों में सेना की मशीनीकृत टुकड़ियों ने अपनी ताकत दिखाई। टैंक और पैदल सेना (इन्फैंट्री) ने तेजी और सटीक निशाने के साथ काल्पनिक दुश्मन के ठिकानों को निशाना बनाया। अमोघ ज्वाला सिर्फ हथियारों का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि यह दिखाने का तरीका था कि भारतीय सेना नई तकनीक के साथ कितनी तैयार है। इसमें इंटेलिजेंस, सर्विलांस और रिकॉनिसेंस के जरिए दुश्मन की पूरी जानकारी जुटाई गई।

अमोघ ज्वाला का सबसे बड़ा आकर्षण यह था कि इसमें आधुनिक, डिजिटल और आपस में जुड़े युद्ध का लाइव प्रदर्शन देखने को मिला। इस अभ्यास में खास बात यह रही कि नए जमाने के उपकरणों को बिना किसी रुकावट के एक साथ जोड़ा गया।

सेना ने दिखाया कि पारंपरिक टैंक और इन्फैंट्री अब सिर्फ ताकत से नहीं, बल्कि डिजिटल जानकारी और रियल-टाइम डेटा के साथ ज्यादा प्रभावी और खतरनाक हो गए हैं। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने सैनिकों और कमांडरों के बीच बेहतर तालमेल देखा, जिसे कॉम्बैट एज कहा जाता है, यानी वह बढ़त, जो एक मजबूत और समन्वित युद्ध प्रणाली से मिलती है। इसके अलावा, इस अभ्यास में थल सेना और वायुसेना का बेहतरीन तालमेल भी देखने को मिला, जिससे यह अभ्यास मल्टी-डोमेन (जमीन और हवा दोनों स्तरों पर) और भी ज्यादा प्रभावशाली बन गया।

जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में जनपद की नौ वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तिका का हुआ विमोचन

उत्तर प्रदेश में 9 वर्षों में सुशासन, सुरक्षा और विकास की दिशा में हुआ ऐतिहासिक परिवर्तन: बृजेश सिंह

गौतमबुद्धनगर। प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने सरकार की उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। इस दौरान जनपद की नौ वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तिका का विमोचन भी जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में किया गया। कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य नरेंद्र भाटी, विधायक जेवर धीरेंद्र सिंह, विधायक दादरी तेजपाल नागर, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, महानगर अध्यक्ष महेश चौहान सहित जिलाधिकारी और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने बीते नौ वर्षों में सुशासन, सुरक्षा और समावेशी विकास के क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन देखा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रदेश ने अराजकता से व्यवस्था, निराशा से विश्वास और 'बीमारू' छवि से विकासशील राज्य की पहचान की ओर कदम बढ़ाया है। कानून-व्यवस्था पर बोलते हुए उन्होंने बताया कि 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत 4000 करोड़ रुपये से अधिक की माफिया संपत्ति जब्त या ध्वस्त की गई है।

53 संगठित अपराधी गिरोहों का उन्मूलन किया गया और 977 अपराधियों पर NSA के तहत कार्रवाई हुई। वहीं 2.19 लाख पुलिसकर्मियों की भर्ती और UP-112 की प्रतिक्रिया समय को एक घंटे से घटाकर 6 मिनट करने से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है। गरीब कल्याण योजनाओं का जिक्र करते हुए बताया गया कि करीब 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है और नीति आयोग के अनुसार 6 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। 5.60 करोड़ आयुष्मान कार्ड के जरिए 9 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा दी गई है। 1 करोड़ निराश्रित, वृद्ध और दिव्यांगजन को पेंशन मिल रही है, जिसे बढ़ाकर 1500 रुपये करने का प्रस्ताव है। कन्या सुमंगला और विवाह सहायता योजनाओं से लाखों परिवार लाभान्वित हुए हैं।

महिला सशक्तिकरण में 1.06 करोड़ महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ीं और 18 लाख 'लखपति दीदी' बनी हैं। कृषि क्षेत्र में खाद्यान्न उत्पादन 557 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 737 लाख मीट्रिक टन हो गया है, जबकि गन्ना किसानों को 3.15 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है। युवा और रोजगार के क्षेत्र में 9 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी गईं, 49.86 लाख युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन वितरित किए गए और स्वरोजगार योजनाओं के तहत युवाओं को बिना गारंटी ऋण उपलब्ध कराया गया। प्रदेश में 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे एक करोड़ से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना जताई गई है।

इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में प्रदेश ने तेजी से प्रगति की है। 2017 में जहां केवल 2 एक्सप्रेसवे थे, वहीं अब 22 एक्सप्रेसवे पर काम चल रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण प्रस्तावित है। एयरपोर्ट की संख्या 2 से बढ़कर 16 संचालित और 8 निर्माणाधीन हो गई है। साथ ही उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट की स्थापना भी प्रदेश में की जा रही है। 7 शहरों में मेट्रो सेवा और दिल्ली-मेरठ के बीच नमो भारत रैपिड रेल का संचालन भी शुरू हो चुका है। पर्यटन और सांस्कृतिक क्षेत्र में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और अयोध्या विकास कार्यों से रिकॉर्ड 156 करोड़ से अधिक पर्यटकों का आगमन हुआ है। महाकुंभ 2025 जैसे आयोजनों ने प्रदेश को वैश्विक पहचान दिलाई है। आर्थिक मोर्चे पर प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 13 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 36 लाख करोड़ रुपये हो गया है और प्रति व्यक्ति आय में तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य देश की अर्थव्यवस्था में 9.1 प्रतिशत योगदान दे रहा है।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि वर्ष 2029-30 तक उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके लिए बुनियादी ढांचे, निवेश, कृषि और कौशल विकास के क्षेत्रों में तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीते नौ वर्ष सुशासन और जनविश्वास के मजबूत आधार के रूप में स्थापित हुए हैं और उत्तर प्रदेश देश की विकास यात्रा का प्रमुख इंजन बनकर उभर रहा है।

गैंगलीडर समेत 2 शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना बीटा-2 पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर एक्ट में वांछित गैंगलीडर सहित दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों को सेक्टर चाई-3 क्षेत्र से दबोचा है। पुलिस के गैंगस्टर अधिनियम में वांछित अभियुक्त राहुल (गैंगलीडर) पुत्र राकेश और अर्जुन पुत्र भूरा को गिरफ्तार किया गया। दोनों लंबे समय से वाहन चोरी की घटनाओं में सक्रिय थे। जांच में सामने आया है कि अभियुक्तों का एक संगठित गैंग है, जिसमें रोहित, सुमित और सचिन भी शामिल हैं। यह गैंग पहले रेकी करता था और फिर दोपहिया वाहनों की चोरी कर उनके महंगे पार्ट्स निकालकर बेच देता था। इस अवैध धंधे से ये लोग मोटा मुनाफा कमा रहे थे। पुलिस ने बताया कि इससे पहले 24 नवंबर 2025 को इसी गैंग के सदस्यों को 16 चोरी की मोटरसाइकिल और अवैध शस्त्रों के साथ गिरफ्तार किया गया था। लगातार आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए गैंग के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों में अर्जुन निवासी जट्टारी (अलीगढ़) हाल पता चाई-3, बीटा-2 और राहुल निवासी घोड़ी बछेड़ा, दादरी शामिल हैं। राहुल के खिलाफ विभिन्न थानों में चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट सहित 16 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं, जबकि अर्जुन पर भी कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि गैंग के अन्य फरार सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी गई है और जल्द ही उन्हें भी पकड़ लिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

एनपीसीएल के दफ्तर आज और कल खुलेंगे

ग्रेटर नोएडा। ईद की छुट्टी पर भी नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड (एनपीसीएल) के दफ्तर खुले रहेंगे। उपभोक्ता शनिवार और रविवार को सुबह 10 से शाम साढ़े छह बजे तक बिल जमा करने के साथ अन्य काम करा सकेंगे। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए यह निर्णय लिया गया है। एनपीसीएल के प्रवक्ता मनोज झा ने बताया कि उपभोक्ता नॉलेज पार्क-1, नॉलेज पार्क-2 और इकोटेक-2 स्थित एनपीसीएल के दफ्तर में अपने काम करा सकेंगे।

सेक्टर में साफ-सफाई नहीं होने से लोग परेशान

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर गामा-1 और बीटा-1 में साफ-सफाई न होने से लोग परेशान हैं। आरोप है की कई स्थानों पर कचरे के ढेर लगे हैं। वहीं, प्राधिकरण द्वारा भी सुनवाई नहीं की जाती। बीटा-1 में रहने वाले हरेंद्र भाटी ने बताया कि सेक्टरों में सफाई के कार्य में लापरवाही बरती जा रही है। गामा वन के रहने वाले केशव ने बताया कि सेक्टर में मार्केट के पास सबसे अधिक कूड़ा पड़ा रहता है।

प्रभारी मंत्री से भूजल दोहन की शिकायत

ग्रेटर नोएडा। नोएडा के सेक्टर 149, 151 और 153 में बिल्डरों के द्वारा पिछले लंबे समय से भूजल दोहन किया जा रहा है। इसके समाधान को लेकर शुक्रवार को सामाजिक संगठन के सदस्यों ने जिले के प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह से लिखित शिकायत की। करप्शन फ्री इंडिया के संस्थापक प्रवीण भारतीय ने बताया कि प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने डीएम को समस्या के समाधान के लिए कहा।

बच्चों को कठपुतली शो के जरिए नैतिक शिक्षा दी

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर स्वर्ण नगरी स्थित जीडी गोयंका पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को कठपुतली शो का आयोजन किया गया। कठपुतली शो में कहानियों से बच्चों को नैतिक शिक्षा दी गई। प्रधानाचार्य डॉक्टर रेनू सहगल ने आकर बच्चों को कठपुतली के बारे में जानकारी दी। छात्रों ने कठपुतली के साथ फोटो खिंचवाए और अपने पसंदीदा कठपुतली के साथ समय बिताया।

धर्म छिपाकर युवती को ब्लैकमेल करने वाला गिरफ्तार

नोएडा। फेज-3 थाने की पुलिस ने धर्म पहचान छिपाकर शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म और ब्लैकमेल करने के आरोपी को मध्य प्रदेश से शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। केस दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थीं। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान 26 वर्षीय विकास कुमार उर्फ मोहम्मद रमीज के रूप में हुई है, जो मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले का रहने वाला है। निवास स्थान से ही आरोपी को दबोचा गया। पीड़िता ने फेज-3 थाने में 17 मार्च को शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी ने उससे शादी का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद आरोपी ने उसका वीडियो बना लिया और उसे वायरल करने की धमकी देने लगा। आरोपी ने वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल किया और उसके रुपये और गहने हड़प लिए। इतना ही नहीं, आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी और धर्म परिवर्तन करने के लिए भी दबाव बनाया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की, लेकिन आरोपी फरार हो गया। पुलिस टीम ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से आरोपी की लोकेशन ट्रेस की। इसके बाद शुक्रवार को उसे छतरपुर कोतवाली क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस की लापरवाही सामने आई थीइस मामले में लापरवाही सामने आने पर पुलिस विभाग में भी कार्रवाई हुई थी। शिकायत के बाद समय पर केस दर्ज न करने और सही धाराएं न लगाने को लेकर पुलिस कमिश्नर ने सख्त रुख अपनाया था। उन्होंने फेज-3 थाने के प्रभारी पुनीत सिंह और जांच कर रही महिला दरोगा प्रीति को गुरुवार निलंबित कर दिया था। साथ ही, डीसीपी सेंट्रल नोएडा से स्पष्टीकरण मांगा था। मामले में एसीपी उमेश यादव की भी जांच की जा रही है। इस मामले में पुलिस विभाग के कुछ अन्य पुलिसकर्मियों पर भी आगामी दिनों में कार्रवाई हो सकती है।

ऑनलाइन गेमिंग में युवक ने 20 लाख रुपए गंवाए

नोएडा। ऑनलाइन गेम खेलकर मुनाफा कमाने के चक्कर में एक युवक ने 20 लाख रुपए गंवा दिए। युवक बीते 27 महीने से ऑनलाइन गेम खेल रहा था। ठगी की जानकारी होने पर उसने अज्ञात के खिलाफ साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया। पुलिस साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। सूरजपुर निवासी वकील खान ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दी कि उसने जनवरी 2024 में डेमन ऐप ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म पर खेलना शुरू किया था। शुरुआत में उसे छोटे-छोटे गेम खेलने पर कुछ रुपये जीतने का मौका मिला। इससे उसका भरोसा बढ़ा और वह लगातार ऐप पर रुपये लगाने लगा। इस ऐप पर करीब 100 से ज्यादा गेम थे। वह इनमें से पांच से सात गेम खेलता था और हर बार रुपये लगाता था। जीतने पर उसके बैंक खाते में कुछ रकम वापस मिल जाती। इसी वजह से उसे लगा कि यह ऐप सही है और यहां रुपये कमाए जा सकते हैं। धीरे-धीरे ऐप के जरिए उसे ज्यादा रकम लगाने के लिए उकसाया जाने लगा। हर बार उसे बड़े इनाम का लालच दिया जाता। वह रुपये जमा करता रहा। वह जब भी थोड़े बहुत रुपये जीतता, तो उसे फिर से गेम में लगाने के लिए कहा जाता।पीड़ित ने बताया कि उसने अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए करीब 20 लाख रुपये इस ऐप में लगा दिए। यह रकम उसने छोटे-छोटे हिस्सों में जमा की थी। कई बार उसने उधार और लोन लेकर भी गेम में रुपये लगाए, ताकि वह पहले हारे हुए रुपये वापस पा सके। अंत में उसे कोई फायदा नहीं हुआ और उसकी पूरी रकम डूब गई। करीब ढाई साल में वह कंगाल हो गया। पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया कि उसके बैंक खाते से ही सभी ट्रांजेक्शन हुई। उसने पुलिस को अपनी बैंक स्टेटमेंट और अन्य जरूरी दस्तावेज भी सौंपे।

28 मार्च को पीएम मोदी के स्वागत में उमड़ेगा जनसैलाब: जिलाध्यक्ष

ग्रेटर नोएडा। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर पर प्रस्तावित नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के 28 मार्च को होने वाले उद्घाटन समारोह को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री धर्मेंद्र कोरी ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी एशिया के सबसे बड़े जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे, जो प्रदेश और क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए भाजपा कार्यकर्ता और क्षेत्र की जनता पूरी तरह तैयार है। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे।

उन्होंने बताया कि उद्घाटन समारोह में दो लाख से अधिक कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय जनता के शामिल होने की संभावना है। इसके लिए पार्टी द्वारा गांव-गांव जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक मंडल और शक्ति केंद्र पर बैठकें कर बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को कार्यक्रम में शामिल किया जा सके। बैठक में वरिष्ठ नेता नरेंद्र भाटी, मनोज चौधरी, जिला महामंत्री वीरेंद्र भाटी, धर्मेंद्र भाटी, जिला उपाध्यक्ष दीपक भारद्वाज, पवन रावल, अरुण प्रधान, सरदीप नागर, सतपाल तालान, जिला मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, पंकज रावल, जिला मंत्री चंद्रमणि भारद्वाज, योगेश चौहान, कोषाध्यक्ष अश्वनी गोयल, गायत्री तिवारी, गीता सागर, रजनी तोमर, राज नागर, विमल पुंडीर, जितेंद्र भाटी, सचिन गौतम, अर्पित तिवारी, लोकेश त्यागी, दिनेश भाटी, राजीव सिंघल, भिखारी सिंह, गजेंद्र सिंह, संजीव शर्मा, सुनील रावत, धीर राणा, बॉबी शर्मा सहित जिला इकाई, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा अध्यक्ष और प्रकोष्ठ संयोजक उपस्थित रहे।

28 मार्च को जेवर में रचेगा इतिहास, पीएम मोदी करेंगे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लोकार्पण: धीरेंद्र सिंह

ग्रेटर नोएडा। आगामी 28 मार्च 2026 को नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लोकार्पण के लिए Narendra Modi के प्रस्तावित आगमन को लेकर पूरे जेवर और आसपास के क्षेत्रों में जबरदस्त उत्साह का माहौल है। इस ऐतिहासिक अवसर को भव्य बनाने के लिए गांव-गांव जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में 20 मार्च को ग्राम सिरसा स्थित ऑक्सफोर्ड ग्रीन पब्लिक स्कूल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें ग्रेटर नोएडा समेत खानपुर, लुक्सर, नवादा, हतेवा, दौला रजपुरा, इमलियाका, अमीनाबाद उर्फ न्याना, घंघौला, सिरसा, पंचायतन, आजमपुर उर्फ गढ़ी, अस्तौली, देवटा, मंडी श्याम नगर, मंडपा, फजायलपुर, घरबरा, पतला खेड़ा सहित कई गांवों के सैकड़ों लोग शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि एयरपोर्ट का लोकार्पण केवल एक परियोजना का उद्घाटन नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के विकास, रोजगार सृजन और वैश्विक पहचान की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि यह एयरपोर्ट जेवर और आसपास के क्षेत्रों के लिए आर्थिक उन्नति का सशक्त माध्यम बनेगा। विधायक ने बताया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए गांव-गांव जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बन सकें। उन्होंने क्षेत्रवासियों से आह्वान किया कि वे बढ़-चढ़कर भाग लें और इस आयोजन को यादगार बनाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि क्षेत्र की जनता के सहयोग से यह कार्यक्रम ऐतिहासिक रूप से सफल होगा और जेवर क्षेत्र के विकास की नई उड़ान का प्रतीक बनेगा।

एमिटी और जिम्स के बीच समझौता, छात्रों को मिलेगा क्लिनिकल प्रशिक्षण और अनुसंधान का अवसर

नोएडा। छात्रों को क्लिनिकल प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार के बेहतर अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल हेल्थ एंड एलाइड साइंसेस और ग्रेटर नोएडा स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) के बीच समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डॉ. बलविंदर शुक्ला की उपस्थिति में जिम्स के निदेशक ब्रिगेडियर राकेश गुप्ता और एमिटी विश्वविद्यालय की संयुक्त कुलसचिव आशा प्रेमनाथ द्वारा संपन्न हुआ।

इस अवसर पर जिम्स की डीन डॉ. रंभा पाठक, एचओडी डॉ. अभिषेक भारती, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. किरण जाखर सहित अन्य प्रतिनिधियों ने एमिटी विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. अतुल चौहान से मुलाकात की। कार्यक्रम में एमिटी विश्वविद्यालय के एडिशनल प्रो वाइस चांसलर डॉ. सुनील कुमार खत्री, डीन (एजुकेशन) डॉ. एस. के. श्रीवास्तव और संस्थान की निदेशक डॉ. कल्पना श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं। ब्रिगेडियर राकेश गुप्ता ने कहा कि जिम्स आमजन के स्वास्थ्य और कल्याण को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है।

उन्होंने बताया कि मरीजों से प्राप्त अनुभव और अनुसंधान संस्थान की सबसे बड़ी ताकत हैं। एमिटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ यह सहयोग अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोलेगा और प्रशिक्षण व शिक्षा को मजबूती देगा। डॉ. बलविंदर शुक्ला ने इस समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह मानसिक और व्यवहारिक स्वास्थ्य के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी संयुक्त अनुसंधान और सहयोग को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की प्रगति अनुसंधान और नवाचार पर आधारित होती है और इस तरह के सहयोग से विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। डॉ. सुनील कुमार खत्री ने कहा कि इस समझौते को केवल एक संस्थान तक सीमित न रखते हुए फार्मेसी, बायोटेक्नोलॉजी और मॉलेक्यूलर रिसर्च जैसे अन्य क्षेत्रों में भी सहयोग की संभावनाएं तलाशनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी समझौते के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उसका नियमित मूल्यांकन आवश्यक है।

डॉ. कल्पना श्रीवास्तव ने बताया कि इस समझौते के तहत छात्रों को जिम्स में क्लिनिकल प्रशिक्षण के अवसर मिलेंगे, जहां वे ओपीडी, केस हिस्ट्री और थेरेपी सत्रों में प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करेंगे। प्रत्येक बैच में 4 से 6 छात्रों को 3 से 6 माह की अवधि के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे उनके निदान कौशल और व्यावहारिक समझ का विकास होगा। इसके साथ ही संयुक्त अनुसंधान, डेटा संग्रहण और आरसीआई निरीक्षण में सहयोग के अवसर भी उपलब्ध होंगे। कार्यक्रम में एमिटी विश्वविद्यालय के विभिन्न अधिकारी और वैज्ञानिक भी उपस्थित रहे।

एयरबैग खुलने से हादसे में चालक की जान बची

नोएडा। सेक्टर-21 स्थित ट्रैफिक सिग्नल के पास तेज रफ्तार कार के चालक ने एक अन्य कार में टक्कर मार दी। एयरबैग खुलने के कारण क्षतिग्रस्त कार में बैठे युवक को चोट नहीं लगी। हालांकि, हादसे में उसकी कार क्षतिग्रस्त हो गई। दिल्ली निवासी शिवांग जैन ने पुलिस को शिकायत दी कि वह गुरुवार रात करीब 12:15 बजे एक शादी से लौट रहे थे। वह सेक्टर-21 के पास सिग्नल क्रॉस कर रहे थे, तभी एक दूसरी कार ने उनकी कार के दाईं तरफ टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि उनकी कार डिवाइडर से जा टकराई। इस हादसे में कार के एयरबैग खुल गए और कार को काफी नुकसान हुआ। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

डिजिटल अरेस्ट करने वाले गिरोह के दो ठग गिरफ्तार

नोएडा। साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करने वाले गिरोह से जुड़े दो युवकों को सेक्टर-63 क्षेत्र से शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के खाते में ठगी की रकम आई थी। गिरोह का सरगना अब भी फरार है। डीसीपी साइबर शैव्या गोयल ने बताया कि पीड़ित के पास 13 मार्च को एक फोन कॉल आई। कॉलर ने खुद को टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी का अधिकारी बताया। आरोपी ने पीड़ित को डराया कि उसके मोबाइल नंबर से अश्लील वीडियो भेजे गए हैं और इस मामले की जांच मुंबई क्राइम ब्रांच और सीबीआई कर रही है।

आरोपियों ने जांच के नाम पर पीड़ित को डिजिटल अरेस्ट कर उसे मानसिक दबाव में लेकर उससे रुपये ठग लिए। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज किया और आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सूचनाओं के आधार पर सेक्टर-63 क्षेत्र से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान अमेठी निवासी 21 वर्षीय रिषभ तिवारी और 20 वर्षीय कुवंर शुक्ला के रूप में हुई। उनके पास से मोबाइल समेत अन्य सामान बरामद हुआ। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क से जुड़े थे। ये लोग खुद सीधे कॉल करके ठगी नहीं करते थे, बल्कि अपने बैंक खाते साइबर अपराधियों को इस्तेमाल करने के लिए देते थे। ठगी से आने वाले रुपये इन्हीं खातों में जमा कराया जाता था। आरोपियों के खिलाफ पहले से शिकायतें दर्जपुलिस जांच में पता चला है कि आरोपियों के बैंक खातों में अब तक करीब 10 लाख 95 हजार रुपये आए। उनके खिलाफ उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली, बिहार और जम्मू-कश्मीर में कुल छह शिकायतें दर्ज हैं। उनके नाम से खुले खातों के जरिए अब तक करीब चार करोड़ 17 लाख रुपये की ठगी की जा चुकी है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। यह भी जांच कर रही है कि इस गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

दिल्ली को मिली 300 नई इलेक्ट्रिक बसें

मुख्यमंत्री ने दिखाई हरी झंडी, नानकसर-गाजियाबाद बस सेवा शुरू, सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन सब्सिडी के 12,877 लाभार्थियों को 24 करोड़ रुपये से अधिक की राशि की वितरित

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को इंद्रप्रस्थ बस डिपो से 300 नई ईवी बसों को हरी झंडी दिखाकर जनता को समर्पित किया। इसके साथ नानकसर–गाजियाबाद के बीच नई अंतरराज्यीय बस सेवा शुरूआत, दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के नए कार्यालय भवन का शिलान्यास और ईवी इंसेंटिव पोर्टल की शुरुआत करते हुए इलेक्ट्रिक वाहन सब्सिडी के 12,877 लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से 24 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की। इस अवसर पर दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, जंगपुरा से विधायक तरविंदर सिंह मारवाह रहे।

मुख्यमंत्री ने यहां आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ये पहलें दिल्ली को स्वच्छ, किफायती, सुरक्षित और भविष्य के लिए तैयार सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। ग्रीन ट्रांसपोर्ट न केवल प्रदूषण कम करेगा, बल्कि दिल्लीवासियों के जीवन को अधिक सहज और सुविधाजनक बनाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले डीटीसी भारी घाटे में चल रही थी, लेकिन अब सरकार के निरंतर प्रयासों के कारण यह धीरे-धीरे वित्तीय संतुलन की दिशा में बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में डीटीसी की स्थिति काफी कमजोर हो गई थी, जहां संचालन में अनियमितताएं थीं और संसाधनों का समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा था। उनकी सरकार ने इन व्यवस्थागत कमियों को दूर करते हुए पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार द्वारा बस डिपो के आधुनिकीकरण, आईएसबीटी के पुनर्विकास, डीटीसी कार्यालय के निर्माण, ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन की स्थापना और प्रदूषण जांच प्रणाली (पीयूसीसी) को सुदृढ़ करने जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। पिछली सरकारों की वित्तीय देनदारियों को भी वर्तमान सरकार द्वारा जिम्मेदारीपूर्वक पूरा किया जा रहा है। उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहन सब्सिडी के संदर्भ में कहा कि पूर्व में घोषित योजनाओं के बावजूद लाभार्थियों को समय पर सब्सिडी प्राप्त नहीं हुई थी। वर्तमान सरकार ने इस स्थिति को सुधारते हुए पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से पहले चरण में 12,800 से अधिक लाभार्थियों के खातों में लगभग 24 करोड़ रुपये की राशि सीधे हस्तांतरित की है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनता को उनके अधिकारों का लाभ समय पर और बिना किसी बाधा के प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य ऐसा सार्वजनिक परिवहन तंत्र विकसित करना है, जो सुरक्षित, सुविधाजनक और पर्यावरण के अनुकूल हो। उन्होंने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में अंतरराज्यीय कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए शुरू की गई नई बस सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि इससे रोजाना आवागमन करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी और क्षेत्रीय संपर्क और अधिक सुदृढ़ होगा। इस अवसर पर दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि इंद्रप्रस्थ बस डिपो से 300 नई जीरो-उत्सर्जन इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत, नानकसर-गाजियाबाद के बीच अंतरराज्यीय ई-बस सेवा का शुभारंभ और डीटीसी के नए कार्यालय भवन का शिलान्यास, दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में बड़े कदम हैं। उन्होंने कहा कि इन 300 बसों के शामिल होने से दिल्ली का कुल बस बेड़ा 6,100 से ज्यादा हो गया है और मार्च तक 5,000 इलेक्ट्रिक बसों के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ा जा रहा है। ये बसें सीसीटीवी, पैनिक बटन, रियल-टाइम ट्रैकिंग और दिव्यांगजन के अनुकूल सुविधाओं से लैस हैं। नानकसर से गाजियाबाद तक करीब 21 किमी की नई ई-बस सेवा शुरू होने से दिल्ली-एनसीआर के हजारों यात्रियों को किफायती और सुविधाजनक यात्रा मिलेगी। साथ ही 1800 वर्ग मीटर में बनने वाला डीटीसी का नया कार्यालय आधुनिक और ऊर्जा-कुशल होगा। उन्होंने बताया कि लंबे समय से लंबित ईवी सब्सिडी को डीबीटी के जरिए फिर से जारी करते हुए 12,877 लाभार्थियों को करीब 24 करोड़ रुपये से अधिक सीधे खातों में दिए जा रहे हैं। सरकार डीटीसी को मजबूत, आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार बनाने के लिए लगातार काम कर रही है।

बिहार के छोटे गांव से दिल्ली तक का सफर

32 साल के डॉ. बिभु आनंद बिस्वास ने खड़ा किया खुद का अस्पताल

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। कौन कहता है कि आसमां में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबियत से उछालो यारों,यह पंक्तियां 32 वर्षीय डॉ. बिभु आनंद बिस्वास पर पूरी तरह सटीक बैठती हैं। बिहार के एक छोटे से गांव से निकलकर उन्होंने दिल्ली जैसे बड़े शहर में न सिर्फ डॉक्टर बनने का सपना पूरा किया, बल्कि आज वह अपने खुद के मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल का सफल संचालन भी कर रहे हैं। संघर्षों से भरे बचपन और सीमित संसाधनों के बावजूद डॉ. बिभु ने कभी हार नहीं मानी। मेहनत, लगन और अपने लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण के दम पर उन्होंने वह मुकाम हासिल किया, जो कई लोगों के लिए सिर्फ एक सपना बनकर रह जाता है।

आज उनका अस्पताल गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिए सस्ती और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का केंद्र बन चुका है। डॉ. बिभु की शुरुआती शिक्षा बिहार के मिथिला पब्लिक स्कूल से हुई। उनके पिता अमरनाथ, जो पहले एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे, रिटायरमेंट के बाद शिक्षा के क्षेत्र में आ गए और एक स्कूल की स्थापना की। उनकी मां सुषमा भी उसी स्कूल में प्रिंसिपल रहीं और दोनों ने समाज सेवा को अपना जीवन समर्पित किया। परिवार से मिली इसी प्रेरणा ने डॉ. बिभु को समाज के लिए कुछ करने की दिशा दी। उन्होंने काठमांडू यूनिवर्सिटी के नोबेल मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस (2013–2019) किया और इसके बाद गंगाराम अस्पताल से डीएनबी मेडिसिन की पढ़ाई पूरी की। 2019 से 2022 तक वह राम मनोहर लोहिया अस्पताल में जूनियर रेजिडेंट रहे।

कोविड-19 महामारी के दौरान उन्होंने वैक्सीनेशन इंचार्ज के रूप में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान उनके समर्पण और सेवा भावना को देखते हुए देश के प्रधानमंत्री Narendra Modi ने भी उन्हें सम्मानित किया। हालांकि उस समय उनके माता-पिता उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित थे, लेकिन जब उन्होंने टीवी पर अपने बेटे को मरीजों की सेवा करते देखा, तो उन्हें गर्व महसूस हुआ।डॉ. बिभु ने दिल्ली के राजेंद्र नगर में "हीलिंग हैंड्स मल्टीस्पेशलिटी क्लिनिक" की स्थापना की है। लगभग 88 स्क्वायर यार्ड में बने इस चार मंजिला अस्पताल में ओपीडी, फार्मेसी और ऑपरेशन थिएटर जैसी सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। अस्पताल में अभी भी विस्तार कार्य जारी है और जल्द ही एंबुलेंस सेवा भी शुरू की जाएगी। उनका यह अस्पताल खासतौर पर गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को सस्ती दरों पर इलाज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। इसके अलावा, डॉ. बिभु लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के मेडिकल विंग के प्रेसिडेंट और फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन के चीफ एडवाइजर भी हैं। डॉ. बिभु आनंद बिस्वास की यह कहानी न सिर्फ प्रेरणादायक है, बल्कि यह भी साबित करती है कि मजबूत इरादों और मेहनत से किसी भी सपने को हकीकत में बदला जा सकता है।

दिल्ली: 50 हजार का इनामी हत्यारोपी मुंबई से गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच (सेंट्रल रेंज) यूनिट ने हत्या के मामले में फरार चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान विजय पात्रो के रूप में हुई है, जो सरिता विहार इलाके में हुए हत्या के मामले में वांछित था और अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने शुक्रवार को बताया कि मामला 15 सितंबर 2023 का है। अली विहार निवासी आकाश मंडल की शिकायत पर सरिता विहार थाने में मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप था कि विजय पात्रो ने अपने साथियों राजू पात्रो, मनोज हल्दार, अलहायत और शंभू समेत अन्य के साथ मिलकर शिकायतकर्ता के पिता अर्धेंदु मंडल पर गली में चाकू और कुल्हाड़ी जैसे घातक हथियारों से हमला कर दिया था। गंभीर चोटों के कारण उनकी मौत हो गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने चार आरोपित शंभू प्रमाणिक, रवि, राजू पात्रो और मनोज हल्दार को गिरफ्तार कर चार्जशीट दाखिल कर दी थी। जबकि विजय पात्रो और अतेंदु हल्दार फरार हो गए थे। बाद में 25 जुलाई 2025 को अदालत ने दोनों को भगोड़ा करार दिया और उनकी गिरफ्तारी पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार आरोपित की गिरफ्तारी के लिए क्राइम ब्रांच की एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें इंस्पेक्टर वीर सिंह के नेतृत्व में एएसआई दीपचंद, हेड कांस्टेबल संदीप, विनोद और मनोज शामिल थे। टीम ने तकनीकी निगरानी और मुखबिरों की मदद से आरोपित की लोकेशन मुंबई में ट्रेस की।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष से मुख्यमंत्री ने की मुलाकात

बजट सत्र की तैयारियों पर हुआ संवाद

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के बजट सत्र से पूर्व शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता से मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुलाकात की। आगामी 23 मार्च से बजट सत्र प्रारंभ हो रहा है और 24 मार्च को दिल्ली का बजट प्रस्तुत होगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि आज दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर आगामी बजट सत्र की तैयारियों तथा दिल्ली के विकास से जुड़े विभिन्न विधायी विषयों पर सार्थक संवाद हुआ। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार दिल्ली की प्रगति और जन-आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट प्रस्तुत करने के लिए पूर्णतः समर्पित है। इस अवसर पर विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, मुख्य सचेतक अभय वर्मा उपस्थित रहे।

हत्या के प्रयास मामले का मुख्य शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नरेला इलाके में दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपित को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान 23 वर्षीय अनीश उर्फ ईश्वर दयाल के रूप में हुई है, जो वारदात के बाद से फरार चल रहा था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने शुक्रवार को बताया कि मामला 6 मार्च 2026 की शाम का है, जब नरेला इलाके में एक महिला अपने वाटर प्लांट पर पहुंची थी। उसी दौरान बाइक सवार दो युवक वहां आए। आरोपितों में से एक ने महिला को पिस्तौल दिखाकर धमकाया और प्लांट बंद करने के लिए कहा। डराने के मकसद से उसने दीवार की ओर फायरिंग भी की और जान से मारने की धमकी देकर दोनों आरोपित मौके से फरार हो गए। इस संबंध में नरेला थाने में 7 मार्च को हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान एक आरोपित पियूष को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था, जबकि मुख्य शूटर अनीश फरार था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार क्राइम ब्रांच की आरके पुरम टीम ने गुप्त सूचना और तकनीकी निगरानी के आधार पर आरोपित की तलाश शुरू की। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस को 18 मार्च को अनीश को दिल्ली से दबोच लिया। पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि उसने इलाके में दबदबा कायम करने के लिए वारदात को अंजाम दिया था। साथ ही, उसने यह भी बताया कि एक पुराने विवाद के चलते अपने साथियों के साथ मिलकर उसने इस साजिश को अंजाम दिया था।

दिवाली फायरिंग मामले का फरार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच (डब्लूआर-I) यूनिट ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे आरोपित को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान 27 वर्षीय जीशान अहमद इदरीसी के रूप में हुई है, जो केशव पुरम इलाके में दिवाली की रात हुई फायरिंग की वारदात में वांछित था। उसके खिलाफ कोर्ट से गैर-जमानती वारंट भी जारी किए गए थे। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि मामला दिवाली 2025 की रात का है, जब जीशान ने अपने साथियों के साथ मिलकर केशव पुरम इलाके में कई राउंड फायरिंग की थी। इस दौरान भानु कुमार नामक युवक को गोली लग गई थी। घटना के बाद से आरोपित लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बचने की कोशिश कर रहा था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार क्राइम ब्रांच की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपित तिलक नगर के चंद नगर इलाके में छिपा हुआ है। सूचना को पुख्ता कर इंस्पेक्टर अनिल मलिक के नेतृत्व में टीम ने छापा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

उपराज्यपाल ने फूल वालों की सैर के मौके पर सूफी संत बख्तियार काकी की दरगाह पर फूलों की चादर चढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने शुक्रवार को फूल वालों की सैर के मौके पर महरौली में ख्वाजा बख्तियार काकी साहब की दरगाह पर फूलों की चादर चढ़ाकर देश में अमन और सभी की सलामती के लिए दुआ मांगी। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पोस्ट करते हुए कहा कि योगमाया मंदिर और ख़्वाजा बख्तियार काकी की दरगाह पर मनाया जाने वाला यह उत्सव भारत की मिलीजुली संस्कृति का अद्भुत संगम है। आपसी सौहार्द की पहचान 'फूल वालों की सैर' की सदियों पुरानी परंपरा को आज भी पूरे जुनून के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है।

दिल्ली से लापता दो नाबालिग और हैदराबाद से युवती बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अलग-अलग मामलों में लापता दो नाबालिग बच्चों और एक युवती को खोजा है। युवती की तलाश के लिए 20 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। खोजे गए दोनों नाबालिगों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने शुक्रवार को बताया कि पहला मामला रोहिणी जिले के बेगमपुर इलाके का है, जहां 14 वर्षीय नाबालिग लड़की 18 जनवरी 2026 को लापता हो गई थी। इस संबंध में बेगमपुर थाने में मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने जांच अपने हाथ में ली। तकनीकी सर्विलांस और जमीनी पड़ताल के बाद टीम ने लड़की को बेगमपुर के राजीव नगर एक्सटेंशन इलाके से ढूंढ निकाला। जांच में सामने आया कि लड़की एक युवक के संपर्क में आई थी, जिसके साथ वह घर से चली गई और मंदिर में शादी कर ली थी। दूसरा मामला भलस्वा डेयरी इलाके का है। जहां 12 वर्षीय लड़का 2 मार्च 2026 को लापता हो गया था। क्राइम ब्रांच की टीम ने परिजनों और परिचितों से पूछताछ के साथ विभिन्न संस्थानों में तलाश की। बाद में लड़के को कमला नगर स्थित सलाम बालक ट्रस्ट से बरामद किया गया। जांच में पता चला कि घर से पैसे लेने पर डांट पड़ने के बाद वह नाराज होकर घर छोड़कर चला गया था। पुलिस को वह बुराड़ी इलाके में भटकता मिला, लेकिन डर के कारण उसने अपनी पहचान नहीं बताई, जिसके चलते उसे बाल गृह भेज दिया गया था। तीसरा मामला अलीपुर इलाके का है। जहां 20 वर्षीय युवती 10 नवंबर 2025 से लापता थी। काफी समय तक सुराग नहीं मिलने पर पुलिस ने 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। तकनीकी जांच के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम हैदराबाद पहुंची और युवती को वहां से बरामद किया।

दिल्ली में हल्की बारिश, शहर के लिए 'येलो अलर्ट' जारी

नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार को बारिश की हल्की फुहार पड़ने और हवा चलने के कारण सुबह मौसम खुशनुमा रहा तथा न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 0.5 डिग्री कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने शहर के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। आईएमडी ने कहा, ''अगले दो घंटे में अधिकतर स्थानों पर गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने/फुहार पड़ने और कहीं-कहीं मध्यम बारिश होने की संभावना है।'' 'येलो अलर्ट' का मतलब है कि लोगों को सतर्क रहना चाहिए और मौसम की मध्यम से गंभीर ऐसी परिस्थितियों के लिए तैयार रहना चाहिए जिनसे दिक्कत पेश आ सकती है।

केंद्रवार आंकड़ों के अनुसार, पालम में न्यूनतम तापमान 14.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से 1.7 डिग्री सेल्सियस कम है। लोधी रोड में 15.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया जो सामान्य से 0.8 डिग्री अधिक है जबकि रिज में तापमान 15.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.6 डिग्री कम है। आयानगर में 16 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया जो सामान्य से 0.2 डिग्री कम है। आईएमडी ने बताया कि पिछले 24 घंटे में सफदरजंग में 6.6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि पालम में 5.4 मिमी, लोधी रोड में 6.3 मिमी, रिज में 7.4 मिमी और आयानगर में 5.6 मिमी वर्षा हुई। मौसम विभाग ने बताया कि देश के कई हिस्सों में हुई बारिश और पश्चिमी विक्षोभों के लगातार नजदीक आने के कारण मौसम में बदलाव आया है। उसने कहा, ''अगले एक सप्ताह दिन का तापमान सामान्य से कम या सामान्य के आसपास बने रहने की संभावना है। लू की स्थिति बनने की आशंका नहीं है।''

शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 123 दर्ज किया गया जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, 27 निगरानी केंद्रों पर वायु गुणवत्ता 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज की गई, 15 केंद्रों में यह 'संतोषजनक' श्रेणी में रही जबकि 'बुराड़ी क्रॉसिंग' में यह 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई। सीपीसीबी के अनुसार, एक्यूआई को शून्य से 50 के बीच ''अच्छा'', 51 से 100 के बीच ''संतोषजनक'', 101 से 200 के बीच ''मध्यम'', 201 से 300 के बीच ''खराब'', 301 से 400 के बीच ''बहुत खराब'' और 401 से 500 के बीच ''गंभीर'' माना जाता है।

संपादकीय

युद्ध की विभिषिका के दायरे में इंसानियत

कई देश नाहक इस युद्ध की चपेट में आ गए हैं। जो देश इस युद्ध में शामिल नहीं है उनकी मुश्किलें भी बढ़ती जा रही हैं ।ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच की जंग पूरे विश्व के लिए खतरे की घंटी है। इसकी विलक्षणता का अंदाजा उन मिसाइल और घातक बमों के इस्तेमाल से लगाया जा सकता है जो हर रोज हजारों घर और नागरिकों की जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं। क्रूरता की हद यह है कि इस युद्ध में नियमों को ताक पर रख कर नागरिक इलाकों में भी बम गिराए जा रहे हैं। विद्यालय और अस्पतालों को भी निशाना बनाया जा रहा है। ईरान में लड़कियों के स्कूल पर बमबारी में डेढ़ सौ से अधिक छात्राओं की मौत हो गई। इस युद्ध में मानवीय मूल्य पीछे छूटते जा रहे हैं। अमेरिका, इज्राएल और ईरान युद्ध के नियमों की परवाह किए बगैर अमानवीय तौर तरीकों से युद्ध लड़ रहे हैं। अब तक के यह युद्ध से साफ हो चुका है कि ईरान ने संभवतः परमाणु बम अभी नहीं बनाया है। क्योंकि जिस तरह से वह चौतार रूप से लड़ाई लड़ रहा है उसके पास यदि यह विध्वंस हथियार होता तो वह कबका इसे इस्तेमाल कर चुका होता। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि इस युद्ध को जारी रखने का अब क्या औचित्य रह गया है। सिवाय इसके कि अमेरिका ईरान में अपनी संप्रभुता और सत्ता चाहता है। वह चाहता है कि ईरान में उसकी मर्जी वेनेजुएला की तरह से चले। अब इस बात का जवाब भी तलाशा जा रहा है कि ईरान ने चौतरफा जंग क्यों छेड़ रखी है? इसकी वजह साफ है कि ईरान इन देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डे और निवेश के ठिकानों को देखना नहीं चाहता। यह बात हर कोई जानता है कि युद्ध वास्तव में सीमाओं पर नहीं लड़ा जाता। बल्कि उसका सबसे गहरा घाव मानवता की आत्मा पर लगता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज का विश्व एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां प्रगति की बातें तो बहुत होती हैं, लेकिन धरातल पर विनाश की पदचाप साफ़ सुनाई देती है। इस युद्ध ने पूरी दुनिया को अनिश्चितता के भंवर में धकेल दिया है। इस संघर्ष के कारण चारों ओर हाहाकार मचा हुआ है और तबाही का मंजर करीब हर रोज और निकट आता दिखाई दे रहा है। यह संघर्ष केवल दो-तीन देशों की सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था, मानवीय संवेदनाओं, जलवायु और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर भी पड़ता है। स्थिति सुधार के लिए यदि ठोस कदम नहीं उठाए गए तो कई देशों में पेट्रोलियम और गैस संकट भी खड़े होने की संभावना है।

शोर में डूबती सड़कें, बेकाबू बीट्स, बेहाल समाज

(तेज डीजे, बिगड़ता ट्रैफिक और समाज पर बढ़ता मानसिक दबाव)

- डॉ. प्रियंका सौरभ

ध्वनि प्रदूषण को अक्सर हम उतनी गंभीरता से नहीं लेते, जितनी अन्य प्रकार के प्रदूषण को, जबकि इसका प्रभाव सीधे हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। अत्यधिक तेज आवाज अस्थायी बहरेपन, सिरदर्द, चिड़चिड़ापन और लंबे समय में स्थायी श्रवण क्षति तक का कारण बन सकती है। सड़कों पर जब ये मोबाइल डीजे गुजरते हैं, तो राहगीर, दुकानदार, बुजुर्ग और बच्चे सभी इससे प्रभावित होते हैं। यह समस्या तब और गंभीर हो जाती है, जब ये वाहन उन क्षेत्रों से गुजरते हैं जहाँ शांति की सबसे अधिक आवश्यकता होती है—जैसे स्कूल, अस्पताल और लाइब्रेरी। एक कक्षा में पढ़ रहे बच्चों का ध्यान अचानक भंग हो जाना, अस्पताल में भर्ती मरीजों की नींद और आराम में बाधा आना, या लाइब्रेरी में पढ़ रहे छात्रों की एकाग्रता टूट जाना—ये सब केवल असुविधा नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक ढांचे पर पड़ने वाला सीधा प्रभाव है। तेज डीजे का असर केवल शारीरिक स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह सामाजिक व्यवहार को भी प्रभावित करता है। अक्सर देखा गया है कि ऐसे आयोजनों में, जहाँ तेज संगीत और भीड़ का माहौल होता है, वहाँ लोग सामान्य बातचीत तक नहीं कर पाते।

सड़कें मूलतः लोगों और वाहनों के सुरक्षित तथा सुगम आवागमन के लिए बनाई जाती हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में एक नई प्रवृत्ति ने इस मूल उद्देश्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। यह प्रवृत्ति है—मोबाइल डीजे और अत्यधिक तेज ध्वनि के साथ सड़कों पर निकलने वाले वाहन। शादी-ब्याह, जुलूस और विभिन्न आयोजनों के नाम पर चलने वाले ये डीजे अब केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गए हैं, बल्कि सार्वजनिक जीवन में अव्यवस्था और असुविधा का बड़ा कारण बनते जा रहे हैं। 100 से 120 डेसिबल तक की ध्वनि, जो इन डीजे सिस्टम से निकलती है, न केवल कानों के लिए हानिकारक है, बल्कि सड़क सुरक्षा के लिए भी एक गंभीर खतरा उत्पन्न करती है। जब इतना तेज शोर आसपास गूंज रहा होता है, तो पीछे से आने वाले वाहन का हॉर्न तक सुनाई नहीं देता, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है।

ध्वनि प्रदूषण को अक्सर हम उतनी गंभीरता से नहीं लेते, जितनी अन्य प्रकार के प्रदूषण को, जबकि इसका प्रभाव सीधे हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। अत्यधिक तेज आवाज अस्थायी बहरेपन, सिरदर्द, चिड़चिड़ापन और लंबे समय में स्थायी श्रवण क्षति तक का कारण बन सकती है। सड़कों पर जब ये मोबाइल डीजे गुजरते हैं, तो राहगीर, दुकानदार, बुजुर्ग और बच्चे सभी इससे प्रभावित होते हैं। यह समस्या तब और गंभीर हो जाती है, जब ये वाहन उन क्षेत्रों से गुजरते हैं जहाँ शांति की सबसे अधिक आवश्यकता होती है—जैसे स्कूल, अस्पताल और लाइब्रेरी। एक कक्षा में पढ़ रहे बच्चों का ध्यान अचानक भंग हो जाना, अस्पताल में भर्ती मरीजों की नींद और आराम में बाधा आना, या लाइब्रेरी में पढ़ रहे छात्रों की एकाग्रता टूट जाना—ये सब केवल असुविधा नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक ढांचे पर

पड़ने वाला सीधा प्रभाव है। तेज डीजे का असर केवल शारीरिक स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह सामाजिक व्यवहार को भी प्रभावित करता है। अक्सर देखा गया है कि ऐसे आयोजनों में, जहाँ तेज संगीत और भीड़ का माहौल होता है, वहाँ लोग सामान्य बातचीत तक नहीं कर पाते। संवाद की कमी और ध्वनि की तीव्रता मिलकर एक ऐसा वातावरण तैयार करती है, जिसमें छोटी-छोटी बातों पर विवाद होने लगते हैं। जब इसमें नशे का तत्व जुड़ जाता है, तो स्थिति और भी जटिल हो जाती है। कई बार ये विवाद झगड़े, पुलिस शिकायतों और हिंसा तक पहुँच जाते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि अत्यधिक तेज संगीत और नशा मिलकर एक ऐसा उत्तेजक माहौल बनाते हैं, जो लोगों के व्यवहार को असामान्य और आक्रामक बना सकता है। कानून के स्तर पर देखें तो ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए स्पष्ट नियम मौजूद हैं। विभिन्न क्षेत्रों के लिए ध्वनि की सीमा तय की गई है, और रात के समय लाउडस्पीकर के उपयोग पर प्रतिबंध भी है। स्कूलों, अस्पतालों और अन्य संवेदनशील स्थानों के आसपास तो विशेष रूप से साइलेंस ज़ोन घोषित किए गए हैं। इसके बावजूद, मोबाइल डीजे का खुलेआम इन नियमों का उल्लंघन करना एक सामान्य बात बन गई है। कई बार प्रशासनिक लापरवाही या सामाजिक दबाव के कारण इन पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। इससे यह संदेश जाता है कि नियम केवल कागजों तक सीमित हैं, और उनका पालन करना आवश्यक नहीं है। इस पूरे मुद्दे में एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि लोग इसे अपने "मनोरंजन का अधिकार" मानते हैं। निश्चित रूप से हर व्यक्ति को अपने जीवन के खुशी के अवसरों को मनाने का अधिकार है, लेकिन यह अधिकार तब तक ही उचित है, जब तक वह दूसरों के अधिकारों का उल्लंघन न करे। जब किसी का उत्सव दूसरे की शांति, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए समस्या बन जाए, तो वहाँ संतुलन आवश्यक हो जाता है। सड़कें सार्वजनिक स्थान हैं, और उनका उपयोग इस तरह होना चाहिए कि सभी को समान रूप से सुविधा मिल सके।

समाधान केवल सख्त प्रतिबंधों में नहीं छिपा है, बल्कि हमारी सोच और व्यवहार में बदलाव में भी है। तकनीकी रूप से ऐसे साउंड सिस्टम उपलब्ध हैं, जिनमें ध्वनि की सीमा को नियंत्रित किया जा सकता है। आयोजकों को ऐसे उपकरणों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही अनुमति प्रणाली को अधिक सख्त और पारदर्शी बनाना आवश्यक है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी आयोजन निर्धारित नियमों के भीतर ही हो। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लोगों में जागरूकता बढ़ाई जाए, ताकि वे यह समझ सकें कि अत्यधिक शोर केवल दूसरों के लिए ही नहीं, बल्कि उनके अपने स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदायक है। सांस्कृतिक स्तर पर भी बदलाव की आवश्यकता है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि उत्सव का अर्थ केवल शोर और दिखावा नहीं होता। सच्ची खुशी वह होती है, जिसमें सभी लोग सहज और संतुलित रूप से शामिल हो सकें। "जितना तेज, उतना बेहतर" की मानसिकता को बदलना होगा। बच्चों और युवाओं के लिए भी यह एक सीखने का विषय है। वे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि वे यह देखेंगे कि नियमों का पालन करना और दूसरों की सुविधा का ध्यान रखना सामान्य बात है, तो वे भी उसी दिशा में आगे बढ़ेंगे। अंततः यह समस्या केवल प्रशासन या कानून की नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक जिम्मेदारी की है। मोबाइल डीजे और अत्यधिक शोर का मुद्दा हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि हम अपने अधिकारों का उपयोग किस तरह कर रहे हैं और क्या हम दूसरों के अधिकारों का सम्मान कर रहे हैं। एक सभ्य समाज की पहचान केवल उसके उत्सवों से नहीं, बल्कि उन उत्सवों को मनाने के तरीके से होती है। यदि हम सच में एक शांत, सुरक्षित और संवेदनशील समाज की कल्पना करते हैं, तो हमें अपने व्यवहार में संयम और जिम्मेदारी को स्थान देना होगा। वरना वह दिन दूर नहीं, जब हमारी ही बनाई हुई शोरगुल की दुनिया हमारे लिए असहनीय बन जाएगी।

बच्चों के नैसर्गिक विकास पर सोशल मीडिया का ग्रहण

मनोज कुमार अग्रवाल

बच्चों पर सोशल मीडिया के प्रभाव पर राज्यसभा में गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। सांसद मिलिंद देवड़ा ने अपने वक्तव्य में बताया कि राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के अनुसार, 2022 में भारत में लगभग 13,000 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की, जो 2013 की तुलना में लगभग दोगुनी संख्या है। यही नहीं आज भारत में कुल आत्महत्याओं में लगभग 10 प्रतिशत हिस्सेदारी विद्यार्थियों की है। याद रहे 4 फरवरी को गाजियाबाद में 12, 14 और 16 वर्ष की तीन बहनों ने आत्महत्या कर ली। बताया गया कि यह घटना ऑनलाइन खेलों की लत से जुड़ी थी। आपको पता है कि इंटरनैट के जमाने में हर चीज मोबाइल फोन पर उपलब्ध होने के कारण सोशल मीडिया का महत्व बहुत बढ़ गया है और लोग बड़े पैमाने पर इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे जहां उपयोगी जानकारी मिलती है वहीं इस पर उपलब्ध अनुचित और अश्लील सामग्री बच्चों के लिए हानिकारक भी सिद्ध हो रही है।स्कूल हो या घर, हर जगह बच्चे मोबाइल का इस्तेमाल करते रहते हैं। सोशल मीडिया का अत्यधिक इस्तेमाल बच्चों की मानसिक स्थिति पर बुरा असर डाल रहा है और बच्चों में नींद की कमी भी देखी गई है। यह बच्चों में डिप्रैशन, चिंता और तनाव उत्पन्न करने का कारण भी बन रहा है। भारत में सोशल मीडिया प्लेटफार्म के उपयोगकर्ताओं में लगभग एक-तिहाई किशोर हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में 2010 के बाद किशोरों में अवसाद और आत्महत्या के मामलों में तेज वृद्धि देखी गई, ठीक उसी समय जब एक कंपनी फेसबुक ने युवाओं को आक्रामक रूप से अपने मंच की ओर आकर्षित करना शुरू किया। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अधिक समय बिताने के कारण बच्चों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है तथा माता-पिता के साथ उनकी दूरी एवं स्वभाव में हिंसक प्रवृत्ति बढ़ने के साथ-साथ एकाग्रता में कमी आ रही है।

सोशल मीडिया की लत से बच्चों को बचाने की खातिर आस्ट्रेलिया, इंगलैंड, मलेशिया, स्पेन, नार्वे, जर्मनी, इटली व चीन तथा चंद अन्य देशों ने भी बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लागू कर दिए हैं। इसी सिलसिले में फ्रांस सरकार ने भी 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की कवायद शुरू कर दी है। देश की नैशनल असैम्बली ने इससे संबंधित बिल को स्वीकृति दे दी है। इसे देश में 1 सितम्बर, 2026 से शुरू होने वाले आगामी शिक्षा सत्र से लागू कर दिया जाएगा। आंकड़े बताते हैं कि भारत के लगभग 27 प्रतिशत किशोरों में सोशल मीडिया प्लेटफार्म की लत के लक्षण दिखते हैं। इसके साथ-साथ पढ़ाई में गिरावट, चिंता और आत्मविश्वास की कमी भी देखी जा रही है। उन्होंने सदन में कहा कि एक सर्वेक्षण के अनुसार महानगरों में लगभग 33 प्रतिशत बच्चे साइबर उत्पीड़न का सामना करते हैं। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, किशोरों से जुड़े हिंसक अपराधों की हिस्सेदारी 2016 में 32 प्रतिशत थी, जो 2022 तक बढ़कर लगभग 50 फीसदी के करीब पहुंच गई। आपको बता दें कि फ्रांस ने 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है और विद्यालयों में मोबाइल फोन पर भी रोक लगाई है। ऑस्ट्रेलिया द्वारा 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया बैन लगाने के कड़े फैसला लिया गया ऑस्ट्रेलिया ने इसे 16 वर्ष से कम आयु तक सीमित किया है। हाल ही में इंडोनेशिया ने भी किशोरों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाई है और ऐसा करने वाला वह एशिया का पहला देश बन गया है। स्पेन और जर्मनी भी इसी दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का कहना है कि हमारे बच्चों के दिमाग बिकाऊ नहीं हैं। बच्चों की मानसिक और भावनात्मक सेहत को उन कम्पनियों के भरोसे पर नहीं छोड़ा जा सकता जिनका उद्देश्य सिर्फ लाभ कमाना है। वहीं स्वीडन के कोरोलिंस्का इंस्टीट्यूट ने ऑरेगन हेल्थ एंड साइंस यूनिवर्सिटी के साथ एक अध्ययन किया गया कि बच्चे कितने समय तक अलग-अलग डिजिटल एक्टिविटी करते हैं. स्टडी में भाग लेने वाले बच्चों ने एवरेज 2.3 घंटे टीवी या ऑनलाइन वीडियो देखे, 1.4 घंटे तक सोशल मीडिया यूज किया और 1.5 घंटे तक वीडियो गेम्स खेलें. इन से एकाग्रता बुरी तरह से प्रभावित है। भारत में पहले से ही डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण ढांचा मौजूद है, जिसमें 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए अभिभावकों की सत्यापित सहमति जैसे प्रावधान हैं। लेकिन हमें इससे आगे बढ़कर सोशल मीडिया कंपनियों को और अधिक जवाबदेह बनाना होगा। बता दें कि पिछले कुछ समय से भारत में नाबालिगों द्वारा सोशल मीडिया पर अश्लील और हिंसा को बढ़ावा देने वाली सामग्री देख कर बलात्कार जैसी वारदातें करने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं 23 अक्तूबर, 2025 को जोधपुर (राजस्थान) में 3 वर्षीय बच्ची से बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने एक किशोर को गिरफ्तार किया। आरोपी के मोबाइल की जांच करने से पता चला कि उसने वारदात करने से पहले 15-20 अश्लील वीडियो देखे थे।

6 फरवरी, 2026 को बदायूं (उत्तर प्रदेश) के दातागंज में 8 और 14 साल की उम्र के 2 लड़कों को मोबाइल फोन पर अश्लील वीडियो देखने के बाद एक 6 साल की बच्ची से सामूहिक बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया।13 फरवरी, 2026 को रीवा (मध्य प्रदेश) में कुरकुरे दिलवाने के बहाने अपनी 6 वर्षीय बहन से बलात्कार करने के आरोप में एक 14 वर्षीय नाबालिग को पुलिस ने हिरासत में लिया।7 मार्च, 2026 को हाथरस (उत्तर प्रदेश) में जंगल में चारा लेने गई चौथी क्लास की छात्रा को मोबाइल फोन पर अश्लील सामग्री देखने के आदी 2 लड़के बेर देने अपने साथ ले गए और उससे बलात्कार कर डाला। दोनों लड़कों को पुलिस ने पकड़ लिया है।इस तरह की घटनाओं को देखते हुए 6 मार्च, 2026 को आंध्र प्रदेश और कर्नाटक की सरकारों ने बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है और ऐसा कदम उठाने वाले ये देश के पहले 2 राज्य बन गए हैं। आंध्र व कर्नाटक सरकारों द्वारा उक्त प्रतिबंध लगाने से बच्चों के चारित्रिक पतन को किसी सीमा तक रोकने में सहायता मिलेगी।

सरकार की ओरसे करवाए गए एक अध्ययन में पाया गया कि 10-15 साल के 96 प्रतिशत बच्चे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते थे और उनमें से 10 में से सात हानिकारक कंटेंट के संपर्क में आए थे. इसमें महिलाओं के प्रति नफरत और हिंसक सामग्री के साथ-साथ खाने की बीमारियों और आत्महत्या को बढ़ावा देने वाला कंटेंट भी शामिल था. अब तक 10 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को बैन लागू करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, थ्रेड्स, टिकटॉक, ट्विच, एक्स, यूट्यबू, किक और रेडिट शामिल हैं. ऐसे में बच्चों की सेहत को ध्यान में रखते हुए यह कदम बहुत ही सराहनीय है.अतः सभी राज्यों में इस तरह के कानून को तुरंत सख्तीपूर्वक लागू करने और उस पर अमल सुनिश्चित करवाने की जरूरत है, ताकि बच्चों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचाया जा सके।

जीवन प्रक्रिया को सहज-सरल बनायें

जहां जीवन है, वहां उसके निर्वाह की आवश्यकता भी हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। यह भी सच है- आवश्यकतापूर्ति के लिए पदार्थ और पदार्थ-प्राप्ति के लिए पैसा या उस जैसा दूसरा कोई भी साधन आवश्यक है। किंतु वहां एक तथ्य समझना और शेष रह जाता है। वह यह है कि मनुष्य जितना कार्य आवश्यकता नहीं करता, उतना वृत्तिवश करता है। प्रत्येक वृत्ति में वासना-पूर्ति की भावना होती है। वे व्यक्ति में कृत्रिम आवश्यकता पैदा करती है। उनसे शुद्ध आवश्यकताओं पर परदा गिर जाता है। मनुष्य नहीं समझ पाता-क्या आवश्यक है और क्या काल्पनिक? शुद्ध आवश्यकतावश व्यक्ति बहुत थोड़ा कार्य करता है। अधिकांश कार्यों के पीछे वृत्ति की ही प्रेरणा होती है। अनगिनत मिठाइयां खायी जाती हैं, उनका हेतु भूख-शांति है या स्वाद-वृत्ति? एक आदमी अपने रहने के लिए दो-चार मकान या महल बना लेता है? यह क्या है? आवश्यकता है कि ऐशो-आराम की वृत्ति? क्या सभी कपड़े आवश्यकता के लिए पहने जाते हैं? करोड़ों की पूंजी क्या आवश्यक होती है? इसी प्रकार एक ओर आमोद-प्रमोद, बोल-चाल जैसे जीवन के साधारण कार्य और दूसरी ओर धन-संग्रह जैसे विशेष कार्य, ये सभी बहुलतया वृत्ति-प्रेरित होते हैं, झूठी भूख या कृत्रिम भूख से आदमी खाता है, उससे वासना पूरी होती है, शरीर नहीं बनता। यही बात कृत्रिम आवश्यकताओं की है। उससे प्रेरित को मनुष्य संग्रह करता है, आनन्द नहीं मिलता। पैसे के प्रति जो अधिक सर्वोपरि आकर्षण है, उसका हेतु कृत्रिम आवश्यकता है। यह भटकाने वाली भूल है। चारित्रिक विकास के लिए इसका परिमार्जन करना होगा, शुद्ध आवश्यकता और कृत्रिम आवश्यकता का विवेक जागृत करना होगा।

आर्थिक बोझ और अनैतिकता : सामाजिक परम्परा जितनी जटिल होती है, अर्थ का बोझ जितना अधिक होता है, उतनी ही कठिनाइयां जीवन में भी आती है। अनैतिकता बढ़ने में लालसा मुख्य कारण है। परिस्थितियों से वह उबल उठती है। परिस्थितियां सामाजिक धारणाओं या मान्यताओं से निर्मित होती हैं। सामाजिक धारणाओं को बदले बिना वे नहीं बदलती। परिस्थितियों के बदले बिना लालसा की उग्रता नहीं मिटती। लालसी की तीव्रता रहते हुए अनैतिकता का अंत नहीं होता। समाज के रीति-रिवाज और परम्पराएं बड़ी खर्चीली होती है। तब ज्यों-ज्यों धन कमाने की बात प्रधान बन जाती है इसलिए अनैतिकता को उखाड़ फेंकने के लिए सामाजिक धारणाओं को बदलना आवश्यक है।

आज का इतिहास

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1349 - जर्मनी के एरफर्ट शहर में ब्लैक डेथ दंगों में तीन हजार यहूदियों का कत्ल कर दिया गया।
1413 - हेनरी पंचम को इंग्लैंड का राजा बनाया गया।
1791 - ब्रिटिश सेना ने बेंगलुरू को टीपू सुल्तान से छीन लिया।
1836 - कोलकाता में पहले सार्वजनिक पुस्तकालय की शुरुआत, अब इसका नाम नेशनल लाइब्रेरी है।
1857 - जापान की राजधानी टोक्यो में आए विध्वंसक भूकंप में करीब एक लाख सात हजार लोगों की मौत हो गई।
1858 - लखनऊ में अंग्रेजों के खिलाफ बगावत की मशाल जलाने वाले सिपाहियों ने आत्मसमर्पण किया।
1887 - बम्बई में प्रार्थना समाज की स्थापना।
1954 - पहले फिल्मफेयर पुरस्कार समारोह का आयोजन।
1977 - जून 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल को समाप्त किया गया।
1999 - ब्रिटिश हास्य अभिनेता एर्नीवाइस का निधन।
2000 - गिरिजा प्रसाद कोइराला नेपाल के नये प्रधानमंत्री नियुक्त।
2006 - रूस और चीन ने रक्षा व ऊर्जा के क्षेत्र में तीन बड़े समझौते किये।
2008 - वैज्ञानिकों ने शनि ग्रह के चंद्रमा टाइटन पर महासागर होने के नये साक्ष्य प्राप्त किये।

जन्म

1955 - जेयर बोलसोनारो - ब्राजील के 38वें राष्ट्रपति हैं।
1887 - मानवेन्द्र नाथ राय - वर्तमान शताब्दी के भारतीय दार्शनिकों में क्रान्तिकारी विचारक तथा मानवतावाद के प्रबल समर्थक।
1912 - ख़्वाजा खुर्शीद अनवर - प्रसिद्ध संगीतकार थे।
1916 - शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्ला खान।
1978 - रानी मुखर्जी - भारतीय अभिनेत्री हैं।

निधन

1827 - दौलतराव शिन्दे, महादजी शिन्दे के भाई तुकोजीराव होल्कर का पौत्र था।
1952 - केशव प्रसाद मिश्र - हिन्दी के प्रमुख साहित्यकारों में से एक।
2003 - शिवानी, प्रसिद्ध उपन्यासकार

मन की पावनता और गुणों का महत्व मानव जीवन की सच्ची संपदा

कांतिलाल मांडोत

मानव जीवन का वास्तविक मूल्य बाहरी वैभव, धन-संपत्ति या शक्ति से नहीं, बल्कि उसके भीतर विद्यमान गुणों से तय होता है। इतिहास इस सत्य का साक्षी है कि संसार में अनेक शक्तिशाली शासक और आक्रान्ता हुए जिन्होंने अपनी ताकत के बल पर देशों को रौंदा, लोगों पर अत्याचार किए और भय का वातावरण बनाया। भारत की भूमि भी ऐसे आक्रमणों से अछूती नहीं रही। इतिहास के पन्नों में जब हम मोहम्मद गजनवी, मोहम्मद गोरी, नादिरशाह और तैमूरलंग जैसे आक्रांताओं के क्रूरतापूर्ण कार्यों को पढ़ते हैं, तो मन सिहर उठता है। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि कभी-कभी ऐसे क्रूर व्यक्तियों के जीवन से भी ऐसी घटनाएँ सामने आती हैं, जो हमें जीवन के गहरे सत्य की सीख दे जाती हैं। तैमूरलंग के जीवन का एक प्रसंग इस सत्य को उजागर करता है। एक बार उसने दो मजबूत गुलामों को खरीदा और अपने दरबार में कवि अहमदी से उनकी कीमत पूछी। कवि ने मुस्कराकर कहा कि इनकी कीमत पाँच टके होगी। तैमूरलंग को यह सुनकर बहुत क्रोध आया, क्योंकि उसने उन्हें चार हजार अशर्फियों में खरीदा था। जब उसने अपनी कीमत पूछी तो कवि ने उसे दो टके बताया। यह सुनकर वह क्रोधित हो उठा, पर कवि ने शांत स्वर में कहा कि जो व्यक्ति अपनी बुराइयों का सामना नहीं कर सकता, वह दूसरों से भी कम मूल्य का होता है। यह बात सुनकर तैमूरलंग मौन हो गया। यह छोटी सी घटना हमें यह समझाती है कि मनुष्य का असली मूल्य उसके गुणों और उसके चरित्र से होता है, न कि बाहरी शक्ति से। संसार में गुणों का महत्व सर्वोपरि है। जिस वृक्ष पर फल, फूल और पत्ते नहीं होते, उसका कोई विशेष महत्व नहीं होता। उसी प्रकार बाँझ गाय भी किसी के लिए उपयोगी नहीं मानी जाती। ठीक इसी तरह यदि मनुष्य के जीवन में गुणों का अभाव हो जाए तो उसका जीवन भी निरर्थक हो जाता है। मनुष्य की आत्मा को मूल्यवान बनाने के लिए सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र का होना आवश्यक है। यह तीनों तत्व जीवन को ऊँचा उठाते हैं और आत्मा को श्रेष्ठ बनाते हैं।

मनुष्य के जीवन की तुलना उस पक्षी से की जा सकती है जिसके पास उड़ने के लिए पंख होते हैं। यदि पक्षी के पंख ही न हों तो वह आकाश में उड़ान नहीं भर सकता। इसी प्रकार जीवन में यदि सही विचार और सही आचरण के पंख न हों तो मनुष्य भी आध्यात्मिक ऊँचाइयों तक नहीं पहुँच सकता। जीवन की सफलता के लिए आत्मानुशासन और सद्गुणों का विकास अत्यंत आवश्यक है। जीवन में गुणों का महत्व समझाने के लिए एक और उदाहरण दिया जा सकता है। यदि कोई व्यक्ति कुआँ खोदता जाए लेकिन उसमें पानी ही न निकले तो उसका सारा परिश्रम व्यर्थ हो जाता है। उसी प्रकार यदि कोई मनुष्य जन्म से लेकर मृत्यु तक लंबा जीवन जी ले, लेकिन उस जीवन में धर्म, सदाचार और आत्मचिंतन न हो, तो उसका जीवन भी बिना पानी के कुएँ के समान ही होता है। पानी के कारण ही कुएँ का अस्तित्व सार्थक होता है, उसी तरह गुणों के कारण ही मनुष्य का जीवन सार्थक बनता है।

आज का समय एक ऐसी विडंबना प्रस्तुत करता है जहाँ भौतिक प्रगति तो बहुत हो रही है, लेकिन मानवीय गुणों में कमी दिखाई दे रही है। मनुष्य तकनीक और विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ता जा रहा है, परंतु उसके भीतर की मानवता कहीं कमजोर पड़ती जा रही है। यही कारण है कि आज समाज में स्वार्थ, छल-कपट, हिंसा और ईर्ष्या जैसी प्रवृत्तियाँ बढ़ती दिखाई देती हैं। जब मानवता कमजोर पड़ती है तो दानवता सिर उठाने लगती है। इसलिए आज के समय में यह और भी आवश्यक हो गया है कि मनुष्य अपने भीतर झाँककर अपने गुणों को विकसित करे।

मानवीय गुण धीरे-धीरे विकसित होते हैं। जैसे एक-एक ईंट जोड़कर मंदिर का निर्माण होता है, वैसे ही एक-एक सद्गुण को अपनाकर व्यक्ति अपने जीवन को महान बना सकता है। सत्य, करुणा, दया, सहिष्णुता, संयम और विनम्रता जैसे गुण मनुष्य को ऊँचा उठाते हैं। इन गुणों को अपनाने से जीवन में स्थायी सुख और शांति प्राप्त होती है। गुणों की प्राप्ति के लिए स्वाध्याय का बहुत महत्व है। अच्छे ग्रंथों का अध्ययन और महापुरुषों की वाणी का श्रवण मनुष्य के विचारों को पवित्र बनाता है। महान चिंतकों ने भी पुस्तकों के महत्व को स्वीकार किया है। एक बार प्रसिद्ध विचारक इमर्सन से किसी ने पूछा कि यदि उन्हें स्वर्ग जाने का अवसर मिले तो वे क्या तैयारी करेंगे। उन्होंने उत्तर दिया कि वे अपनी सारी पुस्तकें साथ ले जाएंगे ताकि वहाँ भी उनका समय ज्ञान अर्जित करने में लगे। यह कथन बताता है कि ज्ञान और स्वाध्याय मनुष्य के जीवन को ऊँचा उठाने का सबसे महत्वपूर्ण साधन हैं। मानव जीवन का एक और महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि मनुष्य को अपने समय का सदुपयोग करना चाहिए। समय किसी का इंतजार नहीं करता। जो व्यक्ति समय रहते अपने जीवन को सुधार लेता है वही महान बनता है। इसलिए मनुष्य को अपना समय परनिंदा, आलस्य और व्यर्थ की बातों में नष्ट नहीं करना चाहिए। संत तुलसीदास ने भी कहा है कि परनिंदा के समान बड़ा पाप कोई नहीं है। सच्चा मनुष्य वही है जो अपने समय को ज्ञान, साधना और सद्गुणों के विकास में लगाता है। मानव जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक सुखों की प्राप्ति नहीं है। धन, वैभव और ऐश्वर्य क्षणभंगुर होते हैं। इनसे स्थायी सुख प्राप्त नहीं होता। वास्तविक सुख आत्मिक शांति में होता है। जब मनुष्य अपने भीतर झाँककर अपने आत्मस्वरूप को पहचानता है तब उसे सच्चा आनंद मिलता है। यही आत्मिक सुख जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। मनुष्य को यह भी समझना चाहिए कि उसका मन ही उसके जीवन का सबसे बड़ा साधन है। यदि मन शुद्ध और शांत रहेगा तो जीवन भी सुखी और शांत रहेगा। लेकिन यदि मन में बुरे विचार और नकारात्मक भाव भर जाएँ तो जीवन अशांत हो जाता है। इसलिए मन की शुद्धि अत्यंत आवश्यक है। मन को शुद्ध रखने के लिए आत्मानुशासन जरूरी है। प्राचीन ऋषियों और मुनियों ने मन और आत्मा की शुद्धि के लिए अनेक मार्ग बताए हैं। उन्होंने कहा है कि मनुष्य को अशुभ भावों को त्यागकर शुभ भावों को अपनाना चाहिए। क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे दोष मन को अशांत बनाते हैं, जबकि दया, क्षमा और प्रेम जैसे गुण मन को पवित्र बनाते हैं। मन की शुद्धि को समझाने के लिए एक रोचक उदाहरण दिया जाता है। एक व्यक्ति नदी में स्नान करने के बाद माला जप रहा था। उसके सामने एक फकीर भी माला फेर रहा था, लेकिन वह माला को उलटी दिशा में फेर रहा था। जब उस व्यक्ति ने इसका कारण पूछा तो फकीर ने कहा कि जब वह दुनिया की अच्छाइयों को अपने भीतर ग्रहण करता है तो माला को अंदर की ओर फेरता है और जब वह अपने मन की बुराइयों को बाहर निकालना चाहता है तो माला को बाहर की ओर फेरता है। इस उदाहरण का अर्थ यह है कि मनुष्य को जीवन की अच्छाइयों को अपने भीतर उतारना चाहिए और बुराइयों को बाहर निकाल देना चाहिए। अंततः यही कहा जा सकता है कि मनुष्य का जीवन तभी सार्थक बनता है जब वह अपने भीतर के गुणों को विकसित करता है। बाहरी उपलब्धियाँ क्षणिक होती हैं, परंतु अच्छे गुण मनुष्य को सदा महान बनाते हैं। यदि मनुष्य अपने जीवन में अच्छाइयों को अपनाए और बुराइयों को त्याग दे, तो उसका जीवन वास्तव में पवित्र और सफल बन सकता है। यही मन की पावनता और गुणों की महत्ता का वास्तविक संदेश है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

सिंहस्थ 2028 में दुनिया देखेगी सनातन संस्कृति का वैभव : सीएम मोहन यादव

मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में गुड़ी पड़वा, सृष्टि आरम्भ उत्सव पर धर्मनगरी उज्जैन में राम घाट पर हुआ आयोजन

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन में आगामी सिंहस्थ 2028 की तैयारियां भी जोर-शोर से उज्जैन में चल रही हैं। इस बार का सिंहस्थ अभूतपूर्व और ऐतिहासिक होने वाला है। जब 2028 में सिंहस्थ का विराट स्वरूप सामने आएगा, तब पूरी दुनिया सनातन संस्कृति का वैभव देखेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार की रात विक्रमोत्सव 2026 अंतर्गत उज्जैन में शिप्रा के राम घाट पर आयोजित सृष्टि आरम्भ उत्सव को संबोधित को कर रहे थे। उन्होंने कहा कि धार्मिक नगरी उज्जैन को परमात्मा ने भाग्य विशेष रूप से लिखा है। जो भी व्यक्ति एक बार उज्जैन आता है, उसका जीवन संवर जाता है। मां शिप्रा के पावन तट पर बसी यह नगरी अनादि काल से अस्तित्व में है और हर युग में इसकी महिमा अक्षुण्ण रही है। उन्होंने कहा कि उज्जैन, जिसे प्राचीन काल में अवंतिका और उज्जयिनी के नाम से जाना जाता था, 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक श्री महाकालेश्वर का धाम है। वर्षप्रतिपदा के इस विशेष दिन विक्रम संवत 2083 के आगमन का उल्लास पूरे शहर में देखा गया। आज जब दुनिया आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन का उपयोग युद्ध में कर रही है। वही ड्रोन तकनीक उज्जैन में देवी-

देवताओं की झलक आस्था और संस्कृति का अनूठा संगम प्रस्तुत कर रही है। यह सनातन संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति का प्रतीक है। सम्राट विक्रमादित्य की विद्वता, वीरता और दानशीलता आज भी प्रेरणा का स्त्रोत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि करीब दो हजार वर्ष पूर्व उज्जैन के महान सम्राट विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रांताओं को परास्त कर राष्ट्र की रक्षा की और सुशासन की मिसाल कायम की। उनका 32 पुतलियों वाला सिंहासन, नवरत्नों की विद्वता, वीरता और दानशीलता आज भी प्रेरणा का स्त्रोत है। आज विक्रमादित्य की इसी गौरवगाथा को पुनर्जीवित करते हुए पूरे प्रदेश में विक्रम उत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह उत्सव न केवल संस्कृति का उत्सव है, बल्कि सुशासन और प्रशासनिक आदर्शों की पुनर्स्थापना का प्रतीक भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी सिंहस्थ 2028 के लिए उज्जैन को जोड़ने वाले सभी मार्गों को फोरलेन और सिक्सलेन बनाया जा रहा है, वहीं मां शिप्रा के तट पर लगभग 30 किलोमीटर लंबे नवीन घाट विकसित किए जा रहे हैं। उज्जैन को व्यापार और उद्योग की दृष्टि से भी विकसित किया जा रहा है। विक्रम उद्योगपुरी, मेडिकल डिवाइस पार्क जैसे प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 12,500 एकड़ का औद्योगिक क्षेत्र पूर्ण रूप से विकसित हो चुका है और अतिरिक्त 5,000 एकड़ क्षेत्र में नया पार्क तैयार किया जा रहा है। साथ ही नए एयरपोर्ट और हेलीकॉप्टर सेवाओं की योजना धार्मिक तीर्थाटन को नई ऊंचाई देने का प्रयास है। आने वाले समय में उज्जैन न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक, औद्योगिक और वैश्विक पहचान का केंद्र बनेगा।

दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत गुरुवार की रात गुड़ी पड़वा, सृष्टि आरम्भ उत्सव के पावन अवसर पर धर्मनगरी उज्जैन में भव्य और आकर्षक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिप्रा तट स्थित रामघाट,दत्त अखाड़ा घाट पर आयोजित इस महोत्सव में आस्था, संस्कृति और आधुनिक तकनीक का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई, जिसके बाद प्रसिद्ध पार्श्वगायक विशाल मिश्रा ने अपनी मधुर आवाज से श्रद्धालुओं और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने संगीत का आनंद लिया और नववर्ष का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। गुड़ी पड़वा, जिसे हिंदू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि के प्रारंभ का प्रतीक माना जाता है, के कारण पूरे शहर में धार्मिक उल्लास का वातावरण रहा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भव्य ड्रोन शो, लेजर शो और आकर्षक आतिशबाजी रही, जिसने शिप्रा तट के आकाश को रोशनी और रंगों से भर दिया।

ड्रोन शो के माध्यम से धार्मिक एवं सांस्कृतिक संदेशों का मनोहारी प्रदर्शन किया गया, जिससे उपस्थित जनसमूह अभिभूत हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ का विक्रम पंचांग 2083, संस्कृति संचालनालय का कला पंचांग, बिमल कृष्ण दास की 84 महादेव, रामस्वरूप दास की ओरछाधीश, वीर भारत न्यास के महर्षि अत्रि, महर्षि अंगिरा, धनवंतरी, महर्षि अगस्त्य, भरत मुनि के भारत निधि मोनोग्राफ, महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ की अष्टावक्र गीता, नारद गीता, ब्राह्मण गीता, गर्भ गीता, उत्तर गीता का विमोचन किया गया। विक्रमोत्सव अंतर्गत आयोजित सृष्टि आरम्भ उत्सव ने धार्मिक आस्था के साथ संगीत, संस्कृति और तकनीक के संगम के रूप में उज्जैन को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान प्रदान की। सृष्टि आरम्भ उत्सव ने उज्जैन की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आस्था और आधुनिक आयोजन क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

सद्भाव और शांति के जरिए दुनिया में युद्ध रोक सकता है भारत : मोहन भागवत

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत अपनी सद्भावना और शांति की परंपरा के जरिए दुनिया में युद्ध रोक सकता है।

महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में शुक्रवार को सरसंघचालक डॉ. भागवत ने वैश्विक हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि आज दुनिया जिस अस्थिर दौर से गुजर रही है, उसके पीछे मुख्य कारण स्वार्थ और वर्चस्व की होड़ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत अपनी सद्भावना और शांति की परंपरा के जरिए दुनिया को संघर्षों से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। नागपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में सरसंघचालक ने विश्व हिंदू परिषद के कार्यालय की नींव रखी। इसके बाद उन्होंने कहा कि जब तक इंसान अपनी सोच में स्वार्थ से ऊपर नहीं उठेगा, तब तक युद्ध और टकराव खत्म नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि केवल बाहरी समझौते या बातचीत से स्थायी शांति संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज के भीतर नैतिक मूल्यों, अनुशासन और एकता का होना जरूरी है। उन्होंने बताया कि पिछले करीब 2000 वर्षों में दुनिया ने संघर्षों को समाप्त करने के कई प्रयास किए, लेकिन उनमें से बहुत कम सफल हो सके। अब समय आ गया है कि मानवता ऐसे रास्ते अपनाए, जो वास्तविक और स्थायी शांति की ओर ले जाएं। इस अवसर पर डॉ. भागवत ने सामाजिक चुनौतियों पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज भी

समाज में धार्मिक असहिष्णुता, जबरन धर्म परिवर्तन और ऊंच-नीच जैसी समस्याएं पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं, जिन्हें मिलकर दूर करना होगा। भारत की वैश्विक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि जहां कुछ देश दुनिया को 'अस्तित्व की लड़ाई' के नजरिए से देखते हैं, वहीं भारत का दृष्टिकोण मानवता, एकता और सहअस्तित्व पर आधारित है। यही कारण है कि जब भी विश्व में शांति और संतुलन की बात होती है, तो दुनिया की नजर भारत की ओर जाती है।

डॉ. भागवत ने भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह हमेशा सिखाती है कि पूरी सृष्टि एक है और आपस में जुड़ी हुई है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि आधुनिक विज्ञान भी अब इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। अपने संबोधन के अंत में सरसंघचालक ने कहा कि धर्म केवल ग्रंथों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि वह व्यक्ति के आचरण और व्यवहार में दिखना चाहिए। उन्होंने समाज से एकजुट होकर इन वैश्विक और सामाजिक चुनौतियों का सामना करने का आह्वान किया।

केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय दंत आयोग का किया गठन

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने भारतीय दंत परिषद (डीसीआई) के स्थान पर राष्ट्रीय दंत आयोग (एनडीसी) और तीन स्वायत्त बोर्डों का गठन कर दिया है। इससे अब आयोग दंत चिकित्सा शिक्षा में आवश्यक और लंबे समय से प्रतीक्षित नियामक सुधारों को लागू करेगा और पूरे देश में किफायती देखभाल तक पहुंच को बढ़ाएगा। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार राष्ट्रीय दंत आयोग और उसके बोर्डों के नेतृत्व के लिए अनुभवी और प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की नियुक्ति की गई है।

डॉ. संजय तिवारी को एनडीसी का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि डॉ. मौसुमी गोस्वामी को अंशकालिक सदस्य नियुक्त किया गया है। इसके अलावा विभिन्न बोर्डों में भी विशेषज्ञों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिससे इस नई व्यवस्था को मजबूत आधार मिल सके। स्नातक एवं स्नातकोत्तर दंत चिकित्सा शिक्षा बोर्ड के लिए डॉ. चन्द्रशेखर जानकीराम को अध्यक्ष, डॉ. शैलेश माधव लेले को पूर्णकालिक सदस्य और डॉ. नागराज एम. को अंशकालिक सदस्य बनाया गया। दंत मूल्यांकन और रेटिंग बोर्ड के लिए लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) नंदा किशोर साहू को अध्यक्ष, डॉ. हिमांशु ऐरन को पूर्णकालिक सदस्य और डॉ. परिमाला त्यागी को अंशकालिक सदस्य बनाया गया। नैतिकता एवं दंत पंजीकरण बोर्ड के लिए लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) तापस कुमार बंद्योपाध्याय को पूर्णकालिक सदस्य, डॉ. उषा हेगड़े को पूर्णकालिक सदस्य

और डॉ. स्वर्ग ज्योति दास को अंशकालिक सदस्य को बनाया गया। राष्ट्रीय दंत आयोग का काम कानून के प्रावधानों को लागू करने के लिए नियम बनाना, डेंटल संस्थानों की रेटिंग और मूल्यांकन करना, मानव संसाधनों का मूल्यांकन करना और डेंटल रिसर्च को बढ़ावा देना, निजी डेंटल कॉलेजों में फीस विनिनयम के लिए दिशा निर्देश बनाना और सामुदायिक दंत देखभाल, शिक्षा, शौध और प्रोफेशनल नैतिकता के लिए मानक तय करना है।

राष्ट्रीय दंत आयोग के तहत तीन स्वायत्त बोर्ड दंत शिक्षा, संस्थानों के मूल्यांकन और पेशेवर आचरण से जुड़े कार्यों को देखेंगे। अरिंदम मोदक एनडीसी के सचिव के रूप में सचिवालय का नेतृत्व करेंगे। इस संबंध में अधिसूचनाएं 19 मार्च को जारी की गईं और एनडीसी का ढांचा उसी तिथि से प्रभावी हो गया। उल्लेखनीय है कि, एनडीसी अधिनियम लागू होने के बाद से ही अब दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 निरस्त हो गया है और भारतीय दंत परिषद भंग कर दी गई है।

सोनीपत में लापरवाही के कारण मौत मामले में NHRC ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने हरियाणा के सोनीपत में चिकित्सकीय लापरवाही के कारण कुत्ते के काटने से एक व्यक्ति की कथित मौत का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने शुक्रवार को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के निदेशक और सोनीपत के आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने बताया कि 17 मार्च को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 15 फरवरी 2026 को एक व्यक्ति (44) को कचरा इकट्ठा करके ट्रक में डालते समय एक आवारा कुत्ते ने होंठ पर काट लिया। पीड़ित के परिवारवाले उसे सोनीपत के सिविल अस्पताल ले गए लेकिन वहां रेबीज रोधी टीके और सीरम की कमी के कारण उसे दिल्ली के नरेला स्थित राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। 10 दिनों के इलाज के बाद उसे 25 फरवरी 2026 को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। 3 मार्च को बुखार आने पर पीड़ित को परिवारवाले दोबारा उसी अस्पताल में ले गए लेकिन अस्पताल ने होली की छुट्टी का हवाला देते हुए उन्हें भर्ती करने से इनकार कर दिया। बाद में परिवारवाले उन्हें वापस घर ले आए और 5 मार्च को एक निजी अस्पताल में ले गए लेकिन यहां के डॉक्टरों ने मरीज का इलाज करने में असमर्थता जताई। उन्होंने पीड़ित को ईएसआई डिस्पेंसरी में स्थानांतरित कर दिया यहां से उन्हें पीजीआई, रोहतक ले जाया गया जहां उनकी मृत्यु हो गई। खबरों के मुताबिक पीड़ित को समय पर उचित उपचार ना मिलने के कारण उसकी मृत्यु हो गई। आरोप यह भी है कि सोनीपत नगर निगम के अधिकारी आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने में विफल रहे हैं जिसके कारण एक व्यक्ति की जान चली गई।

तेलंगाना विधानसभा में 2026-27 का बजट पेश, 3.24 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान

शिक्षा-कृषि और बिजली पर फोकस

हैदराबाद। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए शुक्रवार को 3,24,234 करोड़ का वार्षिक बजट पेश किया। इस बजट में 2,34,406 करोड़ रुपये राजस्व व्यय और 47,267 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय का प्रावधान किया गया है। बजट में शिक्षा, कृषि और बिजली क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया गया है।

बजट पेश करने से पहले राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित की गई, जिसमें बजट प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इसके बाद बजट को विधानमंडल में प्रस्तुत किया गया, जिसमें सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी भी शामिल रहे। वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि जहां देश की जीडीपी वृद्धि दर 2024-25 में 9.8 प्रतिशत से घटकर 2025-26 में 8 प्रतिशत हो गई है, वहीं तेलंगाना की जीएसडीपी वृद्धि दर 10.6 प्रतिशत से बढ़कर 10.7 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने

इसे राज्य सरकार की नीतियों का सकारात्मक परिणाम बताया।

मुख्य बजटीय आवंटनों की बात करें तो, शिक्षा विभाग के लिए 26,674 करोड़ रुपये, कृषि विभाग के लिए 23,179 करोड़, बिजली क्षेत्र के लिए 21,285 करोड़, स्वास्थ्य विभाग के लिए 13,679 करोड़ और नागरिक आपूर्ति मद के तहत 7,366 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। आर्थिक संकेतकों के अनुसार, राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 10.7 प्रतिशत की दर से बढ़कर 17.84 लाख करोड़ होने का अनुमान है, जबकि प्रति व्यक्ति आय 4.18 लाख (10.2 प्रतिशत वृद्धि) रहने का अनुमान जताया गया है।

मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि राज्य सरकार 2036 तक 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य लेकर चल रही है। यह बजट कल्याणकारी योजनाओं और बुनियादी ढांचे के विकास को गति देने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार करीब 25,612 करोड़ रुपये के कर्ज को पुनर्निर्धारित करने की योजना बना रही है, जिससे ब्याज का बोझ कम होगा और वित्तीय स्थिति मजबूत होगी।

वहीं गृह विभाग के लिए 11,907 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार माओवाद को केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं मानती, बल्कि इसके सामाजिक और आर्थिक कारणों पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा कि केवल पुलिस और सशस्त्र बलों के जरिए इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। कुल मिलाकर, यह बजट शिक्षा, कृषि, ऊर्जा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ाकर राज्य के समग्र विकास, आर्थिक मजबूती और सामाजिक कल्याण को आगे बढ़ाने का प्रयास है।

हाथी के हमले से युवक की मौत, इलाके में दहशत

सिलीगुड़ी। नक्सलबाड़ी के मारापुर चाय बागान इलाके में जंगली हाथी के हमले में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान रंजीत राय के रूप में हुई है, जो टुकड़ाबस्ती का निवासी था। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, रंजीत अपने एक दोस्त के साथ कलाबाड़ी वन क्षेत्र से मवेशी लेकर शुक्रवार दोपहर घर लौट रहे थे। इसी दौरान खेत के पास एक हाथी से उनका सामना हो गया। मौके पर उनका दोस्त किसी तरह भाग निकला, लेकिन रंजीत हाथी के हमले का शिकार हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोग और पानीघाटा रेंज के वनकर्मी घायल अवस्था में उसे नक्सलबाड़ी ग्रामीण अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वन विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शनिवार शव को पोस्टमार्टम के लिए उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज व अस्पताल भेजा जाएगा।

घरेलू एलपीजी उत्पादन स्थिर है और पर्याप्त स्टॉक भी उपलब्ध : केन्द्र सरकार

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार का कहना है कि पश्चिम एशिया के हालात के बीच देश की सभी रिफाइनरियां पर्याप्त कच्चे तेल के भंडार के साथ अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। घरेलू एलपीजी उत्पादन स्थिर है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

लगभग 7500 उपभोक्ताओं ने एलपीजी से पीएनजी (पेट्रोलियम प्लैज) पर स्विच कर लिया है। युद्ध के कारण स्थिति चिंताजनक बनी हुई है लेकिन घरेलू गैस वितरकों के पास किसी भी प्रकार की कमी की सूचना नहीं मिली है। राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित दैनिक पत्रकार वार्ता में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि पर्याप्त कच्चे तेल और एलपीजी स्टॉक के साथ रिफाइनरियां अपनी अधिकतम क्षमता पर काम कर रही हैं। लगभग 93 प्रतिशत बुकिंग ऑनलाइन हैं और डिलीवरी प्रमाणित हो चुकी है। उपभोक्ताओं को पीएनजी की ओर रुख करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को

वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन प्राप्त हुआ है। पिछले सप्ताह अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को 11,300 टन की आपूर्ति की गई है। कालाबाजारी रोकने के लिए नियंत्रण कक्षों, जिला समितियों के साथ-साथ तेल विपणन कंपनियां निरीक्षण के माध्यम से निगरानी तेज कर दी गई है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे घबराकर बुकिंग न करें, आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करें और घर पर डिलीवरी का इंतजार करें। सरकार आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित करने और वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। प्रीमियम पेट्रोल की कीमत में वृद्धि के संबंध में संयुक्त सचिव ने कहा कि सामान्य पेट्रोल की कीमत में कोई वृद्धि नहीं हुई है। केवल प्रीमियम श्रेणी के पेट्रोल की कीमत में थोड़ी वृद्धि हुई है और वह भी प्रतिदिन बिकने वाले कुल पेट्रोल का मुश्किल से 2-4 प्रतिशत है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बीच ओमान, मलेशिया, फ्रांस, जॉर्डन और कतर के नेताओं से बात की और पश्चिम एशिया संघर्ष पर भारत का रुख स्पष्ट करते हुए संवाद, तनाव कम करने और शांति पर जोर दिया।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर की बांग्लादेश के उच्चायुक्त से मुलाकात

घरेलू जरूरतों के संतुलन के साथ भारत देता रहेगा ऊर्जा सहायता

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को नई दिल्ली में भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हामिदुल्लाह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच भारत-बांग्लादेश के आपसी संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि उनकी बातचीत का मुख्य फोकस द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करना था। इससे एक दिन पहले भारत ने कहा था कि वह बांग्लादेश और दूसरे पड़ोसी देशों की ऊर्जा जरूरतों में मदद जारी रखे हुए है। हालांकि भारत यह काम अपनी घरेलू जरूरतों, रिफाइनिंग क्षमता और डीजल की उपलब्धता को ध्यान में रखकर कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस

ब्रीफिंग में कहा कि भारत को बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव और कुछ अन्य पड़ोसी देशों से ऊर्जा आपूर्ति के अनुरोध मिले हैं। उन्होंने बताया कि भारत 2007 से अलग-अलग माध्यमों से बांग्लादेश को डीजल की आपूर्ति करता रहा है और यह मदद अभी जारी है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष की वजह से ऊर्जा आपूर्ति के समुद्री रास्ते प्रभावित हुए हैं। इस कारण एलपीजी की सप्लाई चिंता का विषय बनी हुई है। जायसवाल ने कहा कि भारत फिलहाल सबसे पहले अपनी घरेलू खपत और उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दे रहा है। पहले देश के लोगों की जरूरतें पूरी की जाएंगी, उसके बाद यह तय किया जाएगा कि व्यावसायिक संस्थानों के लिए एलपीजी आपूर्ति कैसे संभाली जाए। इस महीने की शुरुआत में बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने वहां की नई सरकार के मंत्रियों से कई मुलाकात की थीं। इन बैठकों में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई थी। भारतीय उच्चायोग के मुताबिक, प्रणय वर्मा ने बांग्लादेश के स्थानीय शासन, ग्रामीण विकास और सहकारिता मंत्री मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर से भी मुलाकात की। दोनों पक्षों ने स्थानीय प्रशासन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि सहकारिता और जमीनी स्तर पर आर्थिक सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। भारतीय उच्चायोग ने कहा कि भारत-बांग्लादेश संबंध लोगों के बीच मजबूत रिश्तों पर आधारित हैं और भारत आपसी हित तथा आपसी लाभ के आधार पर सकारात्मक और रचनात्मक तरीके से सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार है। प्रणय वर्मा ने बांग्लादेश के मुक्ति युद्ध मामलों के मंत्री हाफिज उद्दीन अहमद से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम से जुड़े ऐतिहासिक संबंधों को फिर से रेखांकित किया गया। दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि आपसी सम्मान और विश्वास के आधार पर मिलकर काम करके दोनों देशों के लोगों के बीच रिश्तों को और मजबूत किया जा सकता है।

रक्षा मंत्रालय ने दिल्ली कैंट में पूर्व सैनिकों के लिए किया रोजगार मेले का आयोजन

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय के पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) ने दिल्ली में पूर्व सैनिकों के लिए एक मेगा जॉब फेयर (रोजगार मेला) आयोजित किया है। यह रोजगार मेला दिल्ली कैंट स्थित अरावली ऑडिटोरियम, शंकर विहार मेट्रो स्टेशन के पास आयोजित किया गया है।

रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि यह जॉब फेयर सुबह 7 बजे ऑडिटोरियम में शुरू हुआ। पूर्व सैनिकों को अपने पहचान पत्र और बायोडाटा की पांच प्रतियां साथ लाने के लिए कहा गया था। डीजीआर के अनुसार, इस मेले में उद्योग जगत के नियोक्ताओं को कई लाभ मिलेंगे, जिनमें मुफ्त ऑनलाइन पंजीकरण, मुफ्त जॉब पोस्टिंग, मुफ्त स्टॉल आवंटन और पूर्व सैनिकों के रिज्यूमे तक मुफ्त पहुंच शामिल है। इससे

पहले, रक्षा मंत्रालय की ओर से 17 मार्च को चंडीगढ़ में एक जॉब फेयर आयोजित किया गया।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि ये जॉब फेयर भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के पूर्व सैनिकों को कॉरपोरेट और उद्योग क्षेत्रों के प्रमुख नियोक्ताओं से जोड़ने के लिए एक विशेष मंच के रूप में काम करते हैं। इन क्षेत्रों में सुरक्षा, आईटी, प्रशासन, लॉजिस्टिक्स, स्वास्थ्य सेवा और इंजीनियरिंग शामिल हैं। दिल्ली में आयोजित जॉब फेयर के बारे में जानकारी देते हुए रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि यह पहल पूर्व सैनिक कल्याण विभाग (एमओडी) की पूर्व सैनिकों के पुनर्वास और कल्याण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सशक्त और आत्मनिर्भर भारत तभी संभव है, जब इसके नागरिक स्वस्थ हों: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत तभी संभव है, जब इसके नागरिक स्वस्थ हों। मुर्मू ने यहां वृंदावन स्थित रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम में नवनिर्मित 'नंद किशोर सोमानी ऑन्कोलॉजी ब्लॉक' (कैंसर चिकित्सा केंद्र) के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि एक सशक्त और 'आत्मनिर्भर' भारत तभी संभव है, जब इसके नागरिक स्वस्थ हों। उन्होंने कहा कि आज कैंसर सबसे गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। इस बीमारी का समय पर पता चलना और उच्चस्तरीय उपचार मरीज की जान बचाने में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि लेकिन कुछ परिवारों की आर्थिक स्थितियां इतनी खराब होती हैं कि उन्हें इस बीमारी का इलाज मुश्किल या लगभग असंभव सा लगता है।'' मुर्मू ने कहा, ''ऐसे समय में जनसेवा की भावना से काम करने वाले संगठन समाज कल्याण में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।'' अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि जागरूकता अभियानों और समय पर जांच की सुविधाएं उपलब्ध कराकर कैंसर की रोकथाम और उसके प्रभावी इलाज पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आज, भारत अपने स्वास्थ्य सेवा ढांचे को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है कि गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल हर नागरिक तक पहुंचे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि केंद्र सरकार देश के स्वास्थ्य सेवा ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए ठोस और निरंतर कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत जैसी ऐतिहासिक योजनाओं के माध्यम से, लाखों नागरिकों को किफायती और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। कैंसर का इलाज भी आयुष्मान भारत योजना के दायरे में आता है, जिससे गरीब और जरूरतमंद मरीजों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे देश में नये एम्स और मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ हो रही हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत, स्वास्थ्य सेवाओं को प्रौद्योगिकी के साथ एकीकृत किया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता और दक्षता में वृद्धि हो रही है। टेलीमेडिसिन और ई-स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से, लोग अब अपने घर बैठे ही विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श कर सकते हैं। मुर्मू ने कहा, ''सेवा भावना से प्रेरित चिकित्सा संस्थान समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे न केवल बीमारियों का इलाज करते हैं, बल्कि मरीजों और उनके परिवारों के जीवन में आशा, आत्मविश्वास और सम्मान भी जगाते हैं।'' उन्होंने कहा कि रामकृष्ण मिशन ने यह साबित कर दिया है कि आधुनिक विज्ञान और मानवीय करुणा का मेल मानवता के कल्याण के लिए असाधारण कार्य कर सकता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मैं इस महत्वपूर्ण योगदान के लिए इस संस्थान को अपनी हार्दिक बधाई देती हूं। आज, हम न केवल एक इमारत का उद्घाटन कर रहे हैं, बल्कि हम उन सभी मरीजों के लिए आशा का एक नया द्वार खोल रहे हैं, जो यहां उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल की तलाश में आते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उत्तर प्रदेश की तीन-दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन मथुरा-वृंदावन में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हो रही हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की, आध्यात्मिक चर्चा की

मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश के अपने दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार सुबह संत प्रेमानंद से मुलाकात कर उनसे आध्यात्मिक चर्चा की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति 19 मार्च से उत्तर प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। बृहस्पतिवार को अयोध्या में दर्शन-पूजन के बाद वह मथुरा पहुंचीं, जहां उन्होंने शुक्रवार सुबह आध्यात्मिक कार्यक्रमों से दिन की शुरुआत की मुर्मू वृंदावन में राधा केली कुंज स्थित संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचीं, जहां उन्होंने संत के प्रवचन सुने। यह सप्ताह इसलिए भी विशेष है क्योंकि बृहस्पतिवार को संत प्रेमानंद जी महाराज का जन्मदिन था।

आश्रम में राष्ट्रपति ने प्रेमानंद जी महाराज से आध्यात्मिक चर्चा की और उन्हें हाथ जोड़कर प्रणाम किया। संत प्रेमानंद ने प्रसन्न मुद्रा में 'राधे-राधे' कहकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। इस मौके पर आश्रम के सेवादारों ने माला पहनाकर और चुनरी ओढ़ाकर राष्ट्रपति का स्वागत किया। मुर्मू ने संत प्रेमानंद महाराज को जन्मदिन की बधाई भी दी। राष्ट्रपति ने वृंदावन स्थित बाबा नीम करोली आश्रम में पूजा-अर्चना की। उन्होंने आश्रम परिसर के अंदर भगवान हनुमान मंदिर में दर्शन किये। उन्होंने अनुष्ठानिक पूजा की और देवता को सवा मन (50 किलोग्राम) लड्डू प्रसाद चढ़ाया।

नीम करोली बाबा आश्रम वृन्दावन के अध्यक्ष राधा कृष्ण पाठक ने बताया कि पूजा के दौरान 20 भक्तों ने सुंदर कांड पाठ किया। पाठक ने बताया कि मुर्मू बाबा नीम करोली जी महाराज की समाधि पर पूजा-अर्चना की और आरती की। उन्होंने कुटिया (कमरा) में एकांत में ध्यान लगाया, जहां बाबा नीम करोली जी महाराज रहते थे और ध्यान करते थे।

आश्रम छोड़ने से पहले उन्होंने बाबा नीम करोली जी महाराज के जीवन पर एक प्रदर्शनी देखी। शनिवार यानी 21 मार्च को राष्ट्रपति मुर्मू का गोवर्धन स्थित दानघाटी मंदिर में दर्शन और आरती करने का कार्यक्रम हैं। इसके बाद वह गोवर्धन परिक्रमा भी करेंगी।

मानवता के लिए समर्पित चिकित्सा ही जीवन का पुनर्निर्माण : राज्यपाल

मथुरा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को कहा कि जब चिकित्सा विज्ञान मानवता के कल्याण हेतु समर्पित होता है, तब वह जीवन के पुनर्निर्माण का माध्यम बन जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज यहां रामकृष्ण मिशन सेवा आश्रम चैरिटेबल अस्पताल, वृंदावन धाम के नवनिर्मित ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का उद्घाटन किया और इस मौके पर राज्यपाल पटेल भी मौजूद थीं।

लोक भवन की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक इस अवसर पर आनंदीबेन पटेल ने वृंदावन की पावन धरा को सेवा एवं करुणा की भूमि बताते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद के 'नर सेवा ही नारायण सेवा' के आदर्श को रामकृष्ण मिशन पिछले 118 वर्षों से साकार कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक छोटे सेवा केंद्र से 400 बिस्तरों की सुविधा वाले सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल तक की यात्रा सेवा के विराट स्वरूप का उत्कर्ष है।

राज्यपाल ने कहा, "जब चिकित्सा विज्ञान मानवता के कल्याण हेतु समर्पित होता है, तब वह जीवन के पुनर्निर्माण का माध्यम बन जाता है।" उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह ऑन्कोलॉजी ब्लॉक असंख्य मरीजों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। पटेल ने इस कार्य में संलग्न संन्यासियों, चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, स्वास्थ्य कर्मियों तथा दानदाताओं के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य की प्रगति उसके नागरिकों के स्वास्थ्य और जीवन सुरक्षा से आंकी जाती है, इसलिए स्वस्थ समाज ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है।

स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण को समग्र विकास का मूल आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ करने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत बजट में नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, सीटों के विस्तार तथा पूंजी निवेश के साथ-साथ आयुष्मान भारत, मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना एवं राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के लिए पर्याप्त संसाधन सुनिश्चित किए गए हैं।

राज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि अस्पताल केवल उपचार का केंद्र न रहकर मानवीय संवेदनाओं के तीर्थस्थल बनें, जहां रोग के साथ-साथ भय और असुरक्षा से भी मुक्ति मिल सके। उन्होंने सभी से ऐसे समाज के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया, जहां स्वास्थ्य सेवाएं प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार हों और सेवा, करुणा एवं मानवता प्रत्येक कार्य का आधार बने।

बागपत और बिजनौर में कुट्टू से बना फलाहार खाने से एडीएम समेत करीब 50 लोग बीमार

बागपत/बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बागपत और बिजनौर जिलों में एक अपर जिलाधिकारी समेत करीब 50 लोग कुट्टू के आटा से बना फलाहार खाने से बीमार पड़ गये। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

नवरात्र के दौरान बागपत जिले में कुट्टू के आटे से बना भोजन खाने के बाद अपर जिलाधिकारी (एडीएम-न्यायिक) शिव नारायण सिंह समेत डेढ़ दर्जन से अधिक लोग बीमार हो गए। सभी को उपचार के लिए जिला संयुक्त अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बड़ौत में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों के अनुसार, बृहस्पतिवार की शाम शिव नारायण सिंह, उनके सहायक कर्मचारी सतीश कश्यप तथा अन्य लोगों ने कुट्टू के आटे से बने व्यंजन का सेवन किया था। इसके कुछ ही देर बाद उन्हें उल्टी, बेचैनी और अन्य दिक्कतें महसूस होने लगीं। स्थिति बिगड़ने पर सभी को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना में कासिमपुर खेड़ी गांव के एक ही परिवार के नौ सदस्य, मलकपुर गांव के छह लोग तथा बावली गांव के दो लोग भी शामिल हैं, जो विषाक्त भोजन खाने से प्रभावित हुए और उन्हें उपचार की जरूरत पड़ी।

घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जांच शुरू कर दी है। खाद्य सुरक्षा विभाग के उपायुक्त डी पी सिंह ने बताया कि संबंधित कुट्टू के आटे के स्रोत का पता लगाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जिस दुकानदार द्वारा यह आटा बेचा गया है, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही संदिग्ध दुकानों से नमूने लेकर जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि बाजार में कुट्टू के मिलावटी आटे की बिक्री किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फिलहाल सभी मरीजों की हालत स्थिर बताई जा रही है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे केवल विश्वसनीय और पैक्ड खाद्य सामग्री का ही उपयोग करें। उधर, बिजनौर जिले में नवरात्र के पहले दिन बृहस्पतिवार को कुट्टू का आटा से बना भोजन खाने से करीब 30 लोग उल्टी, दस्त का शिकार हो गए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ कौशलेन्द्र सिंह ने बताया कि मंडावली और नजीबाबाद के सिकरोड़ा, लाहक कला, मोहनपुर और खैरुल्लापुर में लगभग 30 लोग कुटटू के आटे से बना भोजन खाने के कारण उल्टी, दस्त से पीड़ित हो गये। उन्होंने बताया कि अधिकतर को समीपुर अस्पताल नजीबाबाद भर्ती कराया गया। कुछ मरीजों ने निजी अस्पतालों मे भी उपचार कराया। सीएमओ ने बताया कि अब स्थिति नियंत्रण में है। खाद्य विभाग कुट्टू आटा बेचने वाली नजीबाबाद की दुकान से नमूने लेकर जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई करेगा।

निजी विवाद को लेकर कॉलेज के छात्र की गोली मारकर हत्या

वाराणसी। उदय प्रताप कॉलेज के परिसर में शुक्रवार को आपसी विवाद के चलते एक छात्र की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान सूर्य प्रताप सिंह (22) के रूप में हुई है। पुलिस उसे तुरंत अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वाराणसी के पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला दो छात्रों के बीच आपसी रंजिश का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा, "प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि यह घटना आपसी दुश्मनी का परिणाम है।" पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान मंजीत सिंह चौहान के रूप में हुई है, जो वाराणसी का निवासी है और घटना के बाद से फरार है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छह टीमों का गठन किया गया है। साथ ही, इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

गंगा में नौका पर चिकन बिरयानी खाने के मामले में गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा

वाराणसी। वाराणसी की एक अदालत ने गंगा नदी में नौका पर इफ्तार पार्टी आयोजित करने और कथित रूप से चिकन बिरयानी खाने के मामले में गिरफ्तार 14 आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एक अधिवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिविजन) अमित कुमार यादव ने बृहस्पतिवार को सभी आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज करते हुए उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

शिकायतकर्ता रजत जायसवाल के वकील शशांक शेखर त्रिपाठी के अनुसार, आरोपियों ने एक नाविक को धमकाया और जबरन अपने साथ ले जाकर नदी में उसकी नौका पर पार्टी की। घटना का वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद इन 14 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। उसी दिन भाजपा युवा मोर्चा की नगर इकाई के अध्यक्ष रजत जायसवाल ने लिखित शिकायत दी थी। पुलिस ने नाविक और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर अदालत में रिपोर्ट भी पेश की। इसके बाद आरोपियों पर अपहरण सहित कई और धाराएं जोड़ने की अर्जी दी गई। जायसवाल की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ धार्मिक स्थल को अपवित्र करने और धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

शिकायतकर्ता ने कहा, ''सनातन धर्म मानने वालों के लिए गंगा के प्रति गहरी और अटूट आस्था है। देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु हर दिन काशी आकर गंगाजल से पूजा-अर्चना करते हैं।'' जायसवाल ने कहा, ''ऐसे में नदी के बीच नौका पर बिरयानी खाना और उसका बचा हुआ हिस्सा नदी में फेंकना पूरी तरह गलत है। ऐसा लगता है कि यह काम हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से किया गया है।

सहायक पुलिस आयुक्त विजय प्रताप सिंह ने बताया था कि वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 298 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना), 299 (दुर्भावनापूर्ण कृत्य), 196(1)(बी) (समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देना), 270 (सार्वजनिक उपद्रव) तथा जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 24 के तहत मामला दर्ज किया है।

सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

अमेठी। जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के गांव मुबारकपुर के पास बृहस्पतिवार की देर रात एक ट्रक और मोटरसाइकिल की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक देवरिया में ईंट भट्ठे पर काम करने वाले चंद्रिका प्रसाद (50) और विजय कुमार (35) देर रात देवरिया से मोटरसाइकिल से घर जा रहे थे। तभी जगदीशपुर थाना क्षेत्र के मुबारकपुर गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। थाना जगदीशपुर के प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र यादव ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ट्रक को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है जबकि चालक मौके पर ही ट्रक छोड़कर फरार हो गया है।

शीतगृह संचालकों को अमोनिया गैस की आपूर्ति के आदेश

लखनऊ। केन्द्र सरकार ने शीतगृहों को अमोनिया गैस की सप्लाई ठप होने से किसानों को आलू स्टोरेज में आ रही समस्या का निदान कर दिया है। प्रदेश सरकार के उद्यान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने शुक्रवार को गौतमपल्ली स्थित अपने आवास पर आलू के भंडारण व विपणन के संबंध में पत्रकारवार्ता कर बताया कि शीतगृहों को अमोनिया गैस की सप्लाई का आदेश जारी कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि विगत एक सप्ताह से उत्तर प्रदेश के आलू किसानों के ऊपर संकट के बादल छाए थे। राज्य के किसानों ने अपनी उपज का लगभग 70 प्रतिशत आलू शीतगृहों में भण्डारित भी कर दिया था। इसी बीच कुछ कारणों से राज्य के शीतगृहों को उर्वरक कंपनियों ने अमोनिया गैस की सप्लाई रोक दी। इससे भण्डारित और भण्डारण से शेष राज्य के आलू किसानों और शीतगृह संचालकों के भविष्य पर संकट खड़ा हो गया। आलू अतिशीघ्र खराब होने वाली उपज है। यदि दो चार दिन भी शीतगृह की कूलिंग प्रभावित हो जाये तो आलू सड़ने लगता है।दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि अमोनिया गैस का कोई विकल्प न होने के कारण संकट का हल संभव नहीं हो सका।

इसके बाद केन्द्रीय उर्वरक एवं रसायन मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के समक्ष आलू किसानों की समस्या रखी गयी। दोनों विभागों के समन्वय से मात्र दो कार्यदिवस में राज्य के शीतगृह संचालकों को आवश्यक अमोनिया गैस की आपूर्ति निर्बाध रूप से करने के आदेश निर्गत किए। कृषि विपणन राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने इसके लिए केन्द्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी का आभार जताया है।

राज्य मंत्री ने बताया कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश में आलू की फसल विगत वर्षों की तुलना में काफी अच्छी हुई है। राज्य सरकार फसल तैयार होने से पूर्व आलू के विपणन और भण्डारण की सारी तैयारी पूरी कर चुकी थी।

यूपी बोर्ड की कापियों का मूल्यांकन ईद और राम नवमी को रहेगा स्थगित, आदेश जारी

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज के सचिव भगवती सिंह ने आदेश जारी कर जानकारी दी है कि ईद-उल-फितर 21 मार्च और राम नवमी 26 मार्च दोनों दिन यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडियेट बोर्ड परीक्षा 2026 की कापियों का मूल्यांकन कार्य स्थगित रहेगा।

बोर्ड के सचिव की ओर से इस आशय का आदेश प्रदेश के सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों, संयुक्त शिक्षा निदेशकों को भेजा गया है, ताकि अपने-अपने क्षेत्र के मूल्यांकन केंद्रों में उक्त दोनों तिथियों में बोर्ड परीक्षा की कापियों का मूल्यांकन कार्य स्थगित करने संबंधी आदेश पर अमल किया जा सके।

यूपी बोर्ड की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन 18 मार्च से चल रहा है और एक अप्रैल तक यह कार्य संपादित किया जाएगा। माध्यमिक शिक्षक संघ के कई नेताओं ने माध्यमिक शिक्षा निदेशक और सचिव से मिलकर इन दोनों दिन बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य स्थगित करने की मांग की थी।

डबल इंजन की सरकार सेवा, सुरक्षा, सुशासन की पहचान : स्वतंत्र देव सिंह

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की भाजपा की डबल इंजन की सरकार के 'नवनिर्माण के 09 वर्ष' पूर्ण होने के अवसर पर प्रयागराज आए उत्तर प्रदेश के जल शक्ति कैबिनेट मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मोदी योगी की डबल इंजन की सरकार सेवा सुरक्षा सुशासन एवं विकास की परिवर्तन की अनूठी पहचान बन चुकी है।

सर्किट हाउस में शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि आज कानून व्यवस्था इतनी मजबूत हुई है कि देश की बेटियां किसी भी कोने में आधी रात को बेखौफ आ-जा सकती है। गरीबों को मुफ्त राशन मिल रहा है और निःशुल्क इलाज हो रहा है। किसानों को किसान सम्मान निधि मिल रही है। युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं उत्तर प्रदेश विकसित राज्य बनकर उभर रहा है। दुनिया के लोग यहां निवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी एवं योगी की चाहत है गरीबों को चांदी की चम्मच से भोजन कराएं। इसलिए उत्तर प्रदेश की डबल इंजन की सरकारी गरीबों के कल्याण के लिए हर कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब प्रदेश के अंदर सपा का शासन था और उत्तर प्रदेश में आए दिन गुंडों और आतंकियों का बम फूटता था।

आज डबल इंजन की सरकार में हर-हर बम बम गूंज रहा है, विकास की धारा बह रही है। अयोध्या में श्री राम मंदिर और बाबा महादेव की नगरी काशी में काशी कॉरिडोर का, विंध्याचल कॉरिडोर चित्रकूट धाम, श्रृंगवेरपुर धाम निर्माण किया गया और प्रयागराज का दिव्य और भव्य महाकुंभ दुनिया के लिए मिसाल बना। उत्तर प्रदेश में सड़कों का जाल बिछा, जल मार्ग, वायु मार्ग की कनेक्टिविटी विकास की एक नई पहचान बनी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुशल विदेशी रणनीति और नीति के कारण ही रूस और यूक्रेन युद्ध के समय भारतीय वहां से सुरक्षित अपने देश आए थे और आज अमेरिका इजरायल और ईरान के युद्ध के समय भी वहां फंसे बेटे और बेटियां चाहे हिंदू की हो या मुसलमान की सुरक्षित भारत आ रहे हैं। योगी सरकार के कारण प्रदेश के गुंडे कुछ तो ऊपर चले गए और कुछ अभी भी छिपे बैठे हुए हैं। इसलिए आप लोग इन्हें अवसर मत दीजिएगा। उत्तर प्रदेश को खुशहाल बनाए रखने के लिए मोदी और योगी को मत भूलिएगा। बस आप उनकी ताकत बनकर खड़े रहिएगा बाकी काम मोदी और योगी कर देंगे।

इस दौरान प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का सांसद प्रवीण पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष बीके सिंह, महापौर गणेश केसरवानी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, दीपक पटेल, पीयूष रंजन निषाद, गुरु प्रसाद मौर्य, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, क्षेत्रीय महामंत्री संतोष सिंह पटेल, उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, गंगा पार जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान, मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी, धनंजय सिंह, पुष्पराज सिंह, आदि अन्य कार्यकर्ताओं ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

संकल्प से सिद्धि केवल नारा नहीं बल्कि सरकार की कार्यशैली व प्रतिबद्धता का प्रतीक : कपिल देव अग्रवाल

बिजनौर। "संकल्प से सिद्धि, सुरक्षा, सुशासन एवं समृद्धि" के उद्देश्य को साकार करते हुए उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व विकास एवं सतत समृद्धि के नव वर्ष के उपलक्ष्य में आज इंदिरा बाल भवन में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला बिजनौर प्रभारी मंत्री/राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग, उत्तर प्रदेश कपिल देव अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

प्रभारी मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि "संकल्प से सिद्धि" केवल एक नारा नहीं, बल्कि प्रदेश सरकार की कार्यशैली और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। सरकार ने जो संकल्प लिया है, उसे धरातल पर उतारकर जन-जन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना ही हमारा उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए ऐसा वातावरण बनाया गया है, जहां आमजन स्वयं को सुरक्षित महसूस करे और विकास के लिए अनुकूल माहौल तैयार हो। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता, जवाबदेही और त्वरित सेवा ही अच्छे शासन की पहचान है।

सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं को सरल और सुलभ बनाकर आम नागरिक तक बिना भेदभाव के पहुँचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का समग्र विकास तभी संभव है जब हर वर्ग-किसान, युवा, महिला, व्यापारी-सशक्त और आत्मनिर्भर बने। प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल द्वारा शाम को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में उत्तर प्रदेश सरकार के 09 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रेस बंधुओं से वार्ता की । इस दौरान मंत्री जी द्वारा उप्र सरकार की उपलब्धियों, कीर्तिमान और सफलताओं के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई गई।

राजस्थान रॉयल्स के लिये आईपीएल 2026 सत्र नहीं खेल सकेंगे सैम कुरेन

जयपुर। आईपीएल 2026 से पहले चोटिल खिलाड़ियों की चिंता बढ़ती जा रही है। अब राजस्थान रॉयल्स का स्टार ऑलराउंडर भी इंजरी के चलते पूरे सीजन से बाहर हो सकता है। आईपीएल 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स को बड़ा झटका लगा है।

टीम के स्टार इंग्लिश ऑलराउंडर सैम करन चोट के चलते पूरे सीजन से बाहर हो सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार वह ग्रोइन इंजरी से जूझ रहे हैं, जो पूरी तरह ठीक नहीं हो पाई है। ऐसे में उनका इस सीजन में खेलना काफी मुश्किल माना जा रहा है। सैम करन ने आखिरी बार 5 मार्च को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में इंग्लैंड के लिए मैच खेला था। इस मुकाबले के बाद से ही उनकी फिटनेस को लेकर सवाल उठने लगे थे। सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ हार के बाद वह मैदान पर नजर नहीं आए और अब यह साफ हो गया है कि चोट उम्मीद से ज्यादा गंभीर है। आईपीएल 2026 से पहले हुए बड़े ट्रेड में सैम करन चेन्नई सुपर किंग्स से राजस्थान रॉयल्स में शामिल हुए थे। इस डील में रवींद्र जडेजा भी राजस्थान पहुंचे, जबकि संजू सैमसन चेन्नई के साथ जुड़ गए।

यह ट्रेड टूर्नामेंट से पहले सबसे चर्चित सौदों में से एक था और फैंस को करन से काफी उम्मीदें थीं। अगर करन के पिछले आईपीएल प्रदर्शन पर नजर डालें तो वह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके थे। उन्होंने सीमित मैचों में बल्ले और गेंद दोनों से औसत प्रदर्शन किया। हालांकि, उनकी ऑलराउंड क्षमता को देखते हुए माना जा रहा था कि वह नए सीजन में जोरदार वापसी करेंगे। लेकिन चोट ने उनकी योजनाओं पर पानी फेर दिया है। राजस्थान रॉयल्स के लिए यह झटका इसलिए भी बड़ा है क्योंकि करन टीम को बैलेंस देने वाले खिलाड़ी हैं। वह मध्यक्रम में तेजी से रन बनाने के साथ-साथ अहम मौकों पर विकेट लेने की क्षमता रखते हैं।

उनकी गैरमौजूदगी में टीम को संयोजन बदलना पड़ सकता है। फिलहाल टीम मैनेजमेंट ने उनके रिप्लेसमेंट को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन विकल्पों पर विचार जारी है। टीम में रवींद्र जडेजा जैसे अनुभवी ऑलराउंडर मौजूद हैं, वहीं डोनोवन फरेरा भी उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि राजस्थान इस कमी को कैसे पूरा करता है और क्या कोई नया खिलाड़ी इस मौके को भुनाकर टीम में अपनी जगह पक्की कर पाता है।

एसआरएच को एक और झटका जैक एडवर्ड्स IPL से बाहर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की शुरुआत से पहले चोटिल खिलाड़ियों की लिस्ट बढ़ रही है। इसी कड़ी में सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल के 19वें सीजन से पहले एक और बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया के युवा ऑलराउंडर खिलाड़ी जैक एडवर्ड्स पैर में चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से बाहर हो गए हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार 25 वर्षीय एडवर्ड्स को आईपीएल नीलामी के दौरान सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने तीन करोड़ रुपये में खरीदा था। वह 2025 की नीलामी में साइन किए जाने वाले एकमात्र अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी थे। इस सीजन में एडवर्ड्स अपना आईपीएल डेब्यू करते, लेकिन अब इसके लिए उन्हें इंतजार करना होगा। एडवर्ड्स ने इस साल जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना टी-20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। इस ऑलराउंडर ने अब तक सिर्फ एक अंतरराष्ट्रीय मैच खेला है, जिसमें उन्होंने पांच रन बनाए हैं। एडवर्ड्स ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में 63 मैच खेले हैं, जिसमें 696 रन बनाए हैं और 38 विकेट लिए हैं। एडवर्ड की अनुपस्थिति सनराइजर्स हैदराबाद के लिए एक और झटका है, क्योंकि उनके नियमित कप्तान पैट कमिंस पहले ही चोट से उबर रहे हैं। इसके कारण वह शुरुआती कुछ मैच नहीं खेल पाएंगे। फ्रेंचाइजी ने कमिंस की अनुपस्थित में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को कप्तान बनाया है। सनराइजर्स हैदराबाद का सामना टूर्नामेंट के पहले मैच में 28 मार्च को मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा।

AFC अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए थाईलैंड पहुंची भारतीय टीम

कोच एलेक्जेंडर्सन टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ समय पहले ही 23 सदस्यीय अंतिम टीम की घोषणा करेंगे।

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-20 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए शुक्रवार सुबह थाईलैंड पहुंची। 20 साल बाद एशियन कप के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय युवा टीम को यहां बैंकॉक में स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल ढलने के लिए 13 दिन का समय मिलेगा।

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के अनुसार भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत का दो अप्रैल को जापान के खिलाफ करेगी। इसके बाद पांच अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया और आठ अप्रैल को चीनी ताइपे से सामना होगा। समूह की शीर्ष दो टीमें और तीनों समूहों में से सर्वश्रेष्ठ दो तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। इसके अलावा, क्वार्टर फाइनल के चारों विजेता फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप पोलैंड 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगे। मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेंडर्सन के नेतृत्व में भारतीय टीम ने अंतरराष्ट्रीय महिला लीग के पहले चरण के समापन के बाद जनवरी में बेंगलुरु में अपना प्रशिक्षण शिविर शुरू किया था।

बाद में, उन्होंने स्वीडन में एक महीने का शिविर लगाया, जहां उन्होंने स्वीडिश क्लबों की वरिष्ठ टीमों के खिलाफ पांच मैत्रीपूर्ण मैच खेले। स्कैंडिनेविया से लौटने के बाद, युवा टीम ने कोलकाता में अपना प्रशिक्षण जारी रखा, जहां से वे थाईलैंड की राजधानी के लिए रवाना हुईं।

एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए 24 सदस्यीय टीम

- **गोलकीपर :** मोनालिसा देवी मोइरांगथेम, नंदिनी, रिबांसी जामू।
- **डिफेंडर :** अलका इंदवार, सिंडी रेमरूअटपुई कोलनी, निशिमा कुमारी, रेमी थोकचोम, रुचि यादव, साहेना टीएच, शुभांगी सिंह, थोइबिसाना चानू तोइजाम।
- **मिडफील्डर :** अंजू चानू कायेनपाइबम, अरीना देवी नामिराकपम, भूमिका देवी खुमुकचम, मोनिशा सिंघा, नेहा, पूजा, श्रुति कुमारी।
- **फॉरवर्ड :** बबीता कुमारी, दीपिका पाल, ल्हिंगदेइकिम, शिलजी शाजी, सिबानी देवी नोंगमेइकापम, सुलंजना राउल।

न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर श्रृंखला में बढ़त बनाई

ऑकलैंड (न्यूजीलैंड)। टॉम लैथम की 63 रन की नाबाद पारी और डेवोन कॉनवे के साथ उनकी पहले विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी की मदद से न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को यहां तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका पर आठ विकेट से आसान जीत हासिल की। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज फिर से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए और उसकी टीम नौ विकेट पर 136 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड ने 16.2 ओवर में दो विकेट पर 137 रन बनाकर 22 गेंद शेष रहते हुए लक्ष्य हासिल कर दिया और इस तरह से पांच मैच की श्रृंखला में 2-1 से बढ़त हासिल कर ली। कॉनवे ने 39 रन बनाए जबकि लैथम ने अपना चौथा टी20 अर्धशतक बनाया। टिम रॉबिंसन ने 17 रन का योगदान दिया। इस श्रृंखला में अभी तक बल्लेबाजों के लिए परिस्थितियां अनुकूल नहीं रही हैं।

दक्षिण अफ्रीका को पहले मैच में केवल 91 रन का लक्ष्य मिला था जो उसने तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया था। दक्षिण अफ्रीका की टीम दूसरे मैच में 107 रन पर आउट हो गई और न्यूजीलैंड ने 68 रन से जीत हासिल की। दक्षिण अफ्रीका ने इस श्रृंखला में शुक्रवार को पहली बार 20 ओवर तक बल्लेबाजी की। उसकी तरफ से नकोबानी मोकोएना ने 20 गेंद पर सर्वाधिक नाबाद 26 रन बनाए। लैथम और कॉनवे ने

धीमी शुरुआत करते हुए पहले दो ओवरों में पांच रन और पहले तीन ओवरों में 12 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने चौथे ओवर में मोकोएना पर 14 रन और लुथो सिपामला द्वारा किए गए पांचवें ओवर में 21 रन बनाकर न्यूजीलैंड को आसान जीत की राह पर अग्रसर किया।

कॉनवे ने 11वें ओवर में केशव महाराज की गेंद पर सीमा रेखा पर कैच दिया। जब स्कोर बराबर था तब रॉबिंसन भी आउट हो गए। निक केली ने विजयी रन बनाया। न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सैंटनर ने कहा, ''हमारे कई प्रमुख खिलाड़ी नहीं खेल रहे हैं लेकिन हमारे पास अच्छे खिलाड़ियों की कमी नहीं है। पिच शुरू में थोड़ी मुश्किल लग रही थी। यह अच्छी बात थी कि दोनों खिलाड़ियों (कॉनवे और लैथम) ने इसे बखूबी संभाला।'' चौथा मैच रविवार को वेलिंगटन में खेला जाएगा।

एथेंस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वुशु चैंपियनशिप में भारत ने जीते 23 पदक

रांची। ग्रीस की राजधानी एथेंस के सनेल स्टेडियम में आयोजित 'छठी एक्रोपोलिस अंतरराष्ट्रीय वुशु ओपन प्रतियोगिता' में भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए कुल 23 पदकों पर कब्जा किया है। 22 देशों की कड़ी चुनौती के बीच भारतीय दल ने शानदार खेल दिखाते हुए 7 स्वर्ण, 11 रजत और 5 कांस्य पदक अपने नाम किए। इस गौरवशाली उपलब्धि में झारखंड के होनहार खिलाड़ी शौर्य सिंह ने -30 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीतकर राज्य और देश को गौरवान्वित किया है। भारतीय वुशु संघ के अनुसार, यह प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय मार्शल आर्ट्स के बढ़ते प्रभुत्व और खिलाड़ियों के कठिन परिश्रम का जीवंत परिणाम है।

झारखंड की ओर से इस प्रतियोगिता में इकलौते प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुए शौर्य सिंह ने अपने तकनीकी कौशल और चपलता से

प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी टक्कर दी। उनके इस पदक की जीत के साथ ही रांची लौटने पर एयरपोर्ट पर खेल प्रेमियों और पदाधिकारियों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया।

प्रतियोगिता में झारखंड वुशु एसोसिएशन के उदय साहू ने भारतीय दल के मैनेजर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि शिवेंद्र दुबे बतौर ऑब्जर्वर मौजूद रहे। शौर्य की इस सफलता ने साबित कर दिया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद झारखंड के खिलाड़ी वैश्विक मंच पर अपनी अमिट छाप छोड़ने में सक्षम हैं। प्रतियोगिता के दौरान सबिनी मुंडा, ज्योति, यश कादयान और निखिल कुमार जैसे खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतकर तिरंगा लहराया, वहीं अंजलि और कुणाल शर्मा सहित 11 खिलाड़ियों ने रजत पदक हासिल किए।

झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. मधुकांत और वुशु एसोसिएशन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से सभी विजेताओं को बधाई दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की अंतरराष्ट्रीय जीत से राज्य में 'ताओलू' और 'सांडा' जैसी वुशु स्पर्धाओं को नई दिशा मिलेगी। यह सफलता आगामी एशियाई खेलों और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय वुशु टीम के आत्मविश्वास को दोगुना करने वाली साबित होगी।

भारत में ट्रेनिंग कर रही कजाकिस्तान टीम का हॉकी इंडिया ने किया स्वागत

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने कजाकिस्तान की सीनियर पुरुष हॉकी टीम का स्वागत किया है। यह टीम अभी भारत में है और 10 से 21 मार्च तक हरियाणा के सोनीपत में भारतीय खेल प्राधिकरण के उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र में एक हाई-परफॉर्मेंस ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा ले रही है। यह कैंप आगामी एशियन गेम्स क्वालिफायर्स 2026 की तैयारियों का एक हिस्सा है।

हॉकी इंडिया के अनुसार भारत के प्रमुख हॉकी प्रशिक्षण केंद्रों में से एक में आयोजित इस शिविर में विश्व स्तरीय सिंथेटिक टर्फ, उन्नत सुविधाएं और एक बेहद प्रतिस्पर्धी माहौल उपलब्ध है, जो कजाकिस्तान को अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करता है। भारत में अभ्यास के बारे में बात करते हुए कजाकिस्तान कोच ओल्गा उर्मानोवा ने कहा कि हम भारतीय खेल प्राधिकरण के उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र सोनीपत में आकर बहुत खुश हैं, जिसने हमारी टीम का बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया है। भारत में हॉकी का स्तर बहुत ऊंचा है और यही कारण है कि हमने यहां आने का फैसला किया है। हीरो एशिया कप 2025 के दौरान बिहार के राजगीर में प्रतिस्पर्धा करने के बाद यह भारत की हमारी दूसरी यात्रा है और एक बार फिर, यह अनुभव अमूल्य रहा है।

उर्मानोवा ने आगे कहा कि हमने यहां स्थानीय टीमों के खिलाफ कई मैत्रीपूर्ण मैच खेले हैं और प्रतियोगिता का स्तर बहुत ऊंचा रहा है, जो हमारी तैयारी के इस चरण में बिल्कुल आवश्यक है। भारत को अपने प्रशिक्षण केंद्र के रूप में चुनते समय हमने जो योजना बनाई थी, उसी के अनुरूप सब कुछ उच्चतम स्तर पर आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि हॉकी इंडिया के सहयोग और उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण अवसर उपलब्ध कराने के लिए हम उनके तहे दिल से आभारी हैं।

कारोबार

संक्षिप्त खबरें

महिंद्रा हॉलिडेज एंड रिसॉर्ट्स इंडिया ने दो नए रिसॉर्ट शुरू किए, 159 कमरे जोड़े

नई दिल्ली। महिंद्रा हॉलिडेज एंड रिसॉर्ट्स इंडिया लिमिटेड (एमएचआरआईएल) ने शुक्रवार को महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में दो नए रिसॉर्ट शुरू किए। इससे कंपनी के कुल कमरों की संख्या में 159 कमरों की बढ़ोतरी हुई है।कंपनी ने बयान में कहा कि क्लब महिंद्रा अंबा घाट (महाराष्ट्र) और क्लब महिंद्रा बांधवगढ़ (मध्य प्रदेश) की शुरुआत से वित्त वर्ष 2025-26 में 1,000 नए कमरे जोड़ने और वर्ष 2030 तक 12,000 कमरों के लक्ष्य को बल मिलेगा। एमएचआरआईएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मनोज भट ने कहा, "अंबा घाट और बांधवगढ़ जैसे स्थल यह दिखाते हैं कि आज के यात्री प्रकृति के बीच गहराई से जुड़ा अनुभव अधिक पसंद कर रहे हैं। क्लब महिंद्रा में हमारा हमेशा से यह मानना रहा है कि भारत में छुट्टियां मनाने वाले परिवारों की बदलती पसंद को समझते हुए नए विश्राम-स्थलों की पहचान की जाए और उनका सोच-समझकर विकास किया जाए।"कंपनी ने कहा कि यह बढ़ोतरी उसकी उस विस्तार योजना के अनुरूप है, जिसके तहत वह वर्ष 2030 तक अपने कुल कमरों की संख्या बढ़ाकर 12,000 तक पहुंचाना चाहती है।

सरकार का आपूर्ति बाधाओं के बीच लॉजिस्टिक्स प्रणाली सुधार पर जोर

इस्लामाबाद। सरकार ने पश्चिम एशिया संघर्ष से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होने के मद्देनजर देश की लॉजिस्टिक्स प्रणाली एवं उसकी लागत में सुधार पर जोर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि भारत की लॉजिस्टिक्स प्रणाली अब संरचनात्मक बदलाव के दौर में प्रवेश कर चुकी है जिसे समन्वित नीतिगत सुधार, संस्थागत पुनर्संरचना, डिजिटल मंचों एवं बड़े पैमाने पर अवसंरचना योजना से गति मिली है। इन प्रयासों का उद्देश्य लंबे समय से जारी चुनौतियों जैसे विखंडित योजना, विभिन्न प्रणालियों की अक्षमताएं, आपूर्ति श्रृंखला में सीमित पारदर्शिता एवं उच्च लॉजिस्टिक्स लागत को दूर करना है। आधिकारिक अध्ययन के अनुसार, भारत में लॉजिस्टिक्स लागत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 7.97 प्रतिशत है, जो कुल मिलाकर लगभग 24.01 लाख करोड़ रुपये बैठती है। अधिकारियों ने बताया कि भारत के लॉजिस्टिक्स सुधार आपस में जुड़े नीतिगत उपायों, डिजिटल मंचों एवं अवसंरचना पहलों पर आधारित हैं। इनका उद्देश्य दक्षता बढ़ाना, लागत घटाना तथा आपूर्ति श्रृंखला के एकीकरण को मजबूत करना है।

सीबीडीटी ने सरल आयकर कानून के लिए नियमों को अधिसूचित किया, एक अप्रैल से होंगे प्रभावी

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने शुक्रवार को आयकर अधिनियम, 2025 के लिए नियमों को अधिसूचित कर दिया है। इसमें वेतनभोगियों के लिए मकान किराया भत्ते पर बढ़े हुए कर लाभ का प्रावधान है, लेकिन मकान मालिक-किरायेदार के संबंधों का खुलासा करना अनिवार्य कर दिया गया है। आयकर नियम, 2026 उस सरल प्रत्यक्ष कर कानून को लागू करेंगे, जिसे पिछले साल संसद ने मंजूरी दी थी। यह एक अप्रैल से प्रभावी होगा।

राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना में कहा गया, "इन नियमों को आयकर नियम, 2026 कहा जा सकता है। ये एक अप्रैल, 2026 से लागू होंगे।" संसद ने 12 अगस्त, 2025 को छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 को बदलने के लिए एक नया आयकर विधेयक पारित किया था। यह कोई नई कर दर लागू नहीं करता है, बल्कि केवल भाषा को सरल बनाता है। जटिल आयकर कानूनों को

समझने के लिए ऐसा करना आवश्यक था। इस अधिनियम ने अनावश्यक प्रावधानों और पुरानी भाषा को हटा दिया है और आयकर अधिनियम, 1961 की 819 धाराओं को घटाकर 536 और अध्यायों की संख्या 47 से घटाकर 23 कर दी है।

नए आयकर विधेयक में शब्दों की संख्या 5.12 लाख से घटाकर 2.6 लाख कर दी गई है, और स्पष्टता बढ़ाने के लिए 1961 के कानून के बोझिल पाठ के स्थान पर पहली बार 39 नई तालिकाएं और 40 नए सूत्र पेश किए गए हैं। नए नियमों में पूंजीगत लाभ, शेयर बाजार के लेनदेन और अनिवासी कराधान के लिए सख्त नियम बनाए गए हैं, जबकि अन्य खुलासा प्रणाली को सरल बनाया गया है। अधिसूचना में 150 से अधिक आधिकारिक फॉर्म पेश किए गए हैं। आयकर नियम वेतनभोगी करदाताओं पर लागू होने वाले मकान किराया भत्ता (एचआरए) छूट के लिए प्रस्तावित ढांचे को बरकरार रखते हैं। नए नियमों के तहत आठ शहर - मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे, अहमदाबाद और बेंगलुरु - वेतन के 50 प्रतिशत की उच्च छूट सीमा के लिए पात्र होंगे, जबकि अन्य सभी स्थान 40 प्रतिशत पर बने रहेंगे।

इस समय मुंबई, दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई में वेतनभोगी कर्मचारी अपने वेतन के 50 प्रतिशत तक एचआरए छूट का दावा कर सकते है, जबकि अन्य स्थानों पर रहने वाले 40 प्रतिशत की निचली सीमा के लिए पात्र हैं। नए नियमों के तहत आयकर कटौती का दावा करने के लिए किरायेदार-मकान मालिक के संबंधों के बारे में जानकारी देना जरूरी है और इसमें विदेशी आय पर टैक्स क्रेडिट दावों के लिए लेखा परीक्षकों और कंपनियों की जिम्मेदारी बढ़ाई गई है। इसमें पैन के दोहरीकरण और प्रतिकूल ऑडिट टिप्पणी से पैदा होने वाली कर देनदारी की जांच के लिए लेखा परीक्षकों को अधिक जिम्मेदारी दी गयी है।

ऊर्जा सुरक्षा महत्वपूर्ण, केंद्र और राज्य मिलकर काम करें: मनोहर लाल

नई दिल्ली। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा वैश्विक तनाव के बीच ऊर्जा सुरक्षा महत्वपूर्ण है। उन्होंने केंद्र और राज्यों को मिलकर काम करने का आह्वान किया। 'भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026' में आयोजित एक मंत्रिस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बिजली के उत्पादन, पारेषण और वितरण की पूरी प्रक्रिया को और अधिक बेहतर और किफायती बनाना होगा। उन्होंने इसके लिए केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल का आह्वान किया।

बिजली मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, कि दुनिया भर में जारी अनिश्चितताओं के बीच ऊर्जा सुरक्षा के महत्व को समझते हुए, मंत्री ने प्रति व्यक्ति बिजली की खपत बढ़ाने और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बदलाव की प्रक्रिया को तेज करने पर बल दिया।इ मंत्री ने परमाणु ऊर्जा को भी बिजली का एक साफ-सुथरा जरिया बताया और 'शांति अधिनियम' (भारत में बदलाव के लिए परमाणु ऊर्जा का सतत उपयोग और विकास) को इस दिशा में एक बड़ा कदम करार दिया। इस बैठक की सह-अध्यक्षता नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपाद नायक ने की। इस अवसर पर बिजली मंत्री ने वितरण कंपनियों की एक रिपोर्ट भी जारी की।

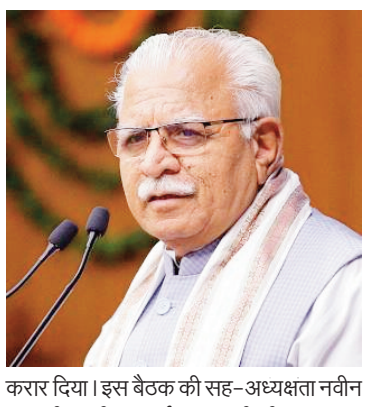

यह रिपोर्ट दिखाती है कि कौन सी कंपनी ग्राहकों को कितनी बेहतर सुविधाएं दे रही है। इसमें सही समय पर मीटर लगाना, सही बिल देना और ग्राहकों की शिकायतों को जल्दी सुलझाने जैसे पैमानों पर कंपनियों की रैंकिंग की गई है।

रुपया 82 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 93.71 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई। रुपया शुक्रवार को 82 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 93.71 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ने के बीच विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल से घरेलू मुद्रा दबाव में है। मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और जोखिम से बचने की प्रवृत्ति के कारण निवेशकों का भरोसा कम होने से रुपये में करीब एक प्रतिशत की गिरावट आई है।

उन्होंने साथ ही कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बढ़ते जोखिम ऊर्जा लागत को बढ़ा रहे हैं, जिससे व्यापार घाटा बढ़ सकता है और मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 92.92 पर खुला। कारोबार के दौरान गिरता हुआ यह 93 के स्तर से नीचे चला गया। अंत तक इसमें गिरावट जारी रही और यह 93.71 (अस्थायी) प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 82 पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को 92.89 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा बाजार गुड़ी पड़वा के मौके पर बृहस्पतिवार को बंद थे।

मीराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक (जिंस) अनुज चौधरी ने कहा, कि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और विदेशी पूंजी की निकासी के कारण शुक्रवार को रुपया अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने भी रुपये पर दबाव डाला है। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.35 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.58 पर रहा।

शेयर बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 325 अंक चढ़ा

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में शुक्रवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेकस 326 अंक लाभ में रहा जबकि एनएसई निफ्टी 112 अंक चढ़ा। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, सूचना प्रौद्योगिकी और धातु कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आई। बाजार में एक समय अच्छी बढ़त देखने को मिली लेकिन ईंधन कीमतों में उछाल के कारण महंगाई बढ़ने की आशंका के बीच दोनों मानक सूचकांकों ने बढ़त का बड़ा हिस्सा गंवा दिया।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 325.72 अंक यानी 0.44 प्रतिशत चढ़कर 74,532.96 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,079.15 अंक यानी 1.45 प्रतिशत उछलकर 75,286.39 अंक तक पहुंच गया था। इसी तरह, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 112.35 अंक यानी 0.49 प्रतिशत बढ़कर 23,114.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 343 अंक यानी 1.49 प्रतिशत चढ़कर 23,345.15 अंक तक पहुंच गया था। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में

टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाइटन, एनटीपीसी और सन फार्मा प्रमुख रूप से लाभ में रहीं।

दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में एचडीएफसी बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं। इस बीच, प्रीमियम यानी ऊंची गुणवत्ता वाले पेट्रोल की कीमत में शुक्रवार को दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई, जबकि औद्योगिक उपभोक्ताओं को बेचे जाने वाले थोक डीजल के दाम में करीब 22 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच यह वृद्धि की गयी है। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग नुकसान में रहे। जापान के बाजार अवकाश के कारण बंद थे।

यूरोप के बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी का रुख था। जबकि अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को 7,558.19 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। इसके विपरीत, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 3,863.96 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। बृहस्पतिवार को सेंसेक्स 2,496.89 अंक टूटकर 74,207.24 अंक पर बंद हुआ था। यह जून 2024 के बाद इसकी एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट थी। वहीं निफ्टी 775.65 अंक लुढ़ककर 23,002.15 अंक पर रहा था।

करण जौहर की 'नजदीकियां' में नज़र आएंगे ताहा शाह बदुशा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता ताहा शाह बदुशा फिल्मकार करण जौहर के नए प्रोजेक्ट 'नजदीकियां' ने नजर आयेंगे। संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को प्रभावित करने के बाद से ताहा शाह बदुशा अपने करियर में लगातार मजबूती हासिल करते जा रहे हैं। संजय लीला भंसाली के बाद फिलहाल ताहा,करण जौहर के नए प्रोजेक्ट 'नजदीकियां' के साथ आ रहे हैं, जिसमें उनके साथ परेश पाहुजा, आकांक्षा सिंह और निकिता दत्ता भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। आधुनिक रिश्तों और गहरी भावनाओं पर आधारित यह कहानी दर्शकों को एक रिलेटेबल और दिलचस्प अनुभव देने का वादा करती है। ताहा ने कहा, " धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म 'गिप्पी' का हिस्सा बनने से लेकर अब करण जौहर के साथ दोबारा काम करना, यह सच में एक फुल-सर्कल जर्नी जैसा लग रहा है। संजय लीला भंसाली सर के साथ काम करने के बाद, मैं 'नजदीकियां' के जरिए एक बिल्कुल नए स्पेस को एक्सप्लोर करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं आभारी हूं और बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि दर्शक इसे देखें।" मजबूत क्रिएटिव सहयोग और अलग-अलग तरह के किरदारों के साथ, ताहा शाह बदुशा धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बना रहे हैं, और 'नजदीकियां' उनके इस उभरते सफर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए तैयार हैं।

मनीष मल्होत्रा की मां का 94 साल की उम्र में निधन

मुंबई। मनीष मल्होत्रा की मां गरिमा मल्होत्रा का 94 साल की उम्र में निधन हो गया। वह उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रही थीं। मनीष अपनी मां को अपनी सबसे बड़ी प्रेरणा मानते थे। उनके निधन से इंडस्ट्री में शोक है। बॉलीवुड के मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनकी मां गरिमा मल्होत्रा का गुरुवार को 94 साल की उम्र में निधन हो गया। बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रही थीं। मनीष अपनी मां के बेहद करीब थे और अक्सर अपनी सफलता का श्रेय उन्हें ही देते थे। मनीष मल्होत्रा की टीम की ओर से जारी आधिकारिक बयान में इस दुखद खबर की पुष्टि की गई। बयान में कहा गया कि गरिमा मल्होत्रा ने एक लंबा और संतोषजनक जीवन जिया और अपने पीछे ढेर सारी यादें और प्यार छोड़ गईं। इस दुखद खबर के सामने आते ही फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े सितारे मनीष मल्होत्रा के घर पहुंचने लगे। करिश्मा कपूर और जोया अख्तर जैसे नाम इस मुश्किल घड़ी में उन्हें सांत्वना देने पहुंचे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो और तस्वीरों में इंडस्ट्री का समर्थन साफ नजर आया। हर कोई इस क्षति पर शोक व्यक्त कर रहा है।

प्री-इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा की तैयारी कर रही हैं सई एम. मांजरेकर

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री सई एम. मांजरेकर प्री-इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा की तैयारी कर रही हैं। सई एम. मांजरेकर जल्द ही एक ऐसी दुनिया में कदम रखने जा रही हैं, जो आज के समय से बिल्कुल अलग है। वह एक प्री-इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा की तैयारी कर रही हैं।यह प्रोजेक्ट उनके लिए एक बड़ा बदलाव है। सई का कहना है कि इस फिल्म की तैयारी काफी गहन, चुनौतीपूर्ण और उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव रही है। फिल्म के बारे में बात करते हुए सई ने बताया कि इस किरदार ने उन्हें एक्टिंग को एक अलग नजरिए से समझने के लिए प्रेरित किया है। उस दौर के सामाजिक और सांस्कृतिक माहौल को समझने से लेकर अपनी बॉडी लैंग्वेज, बोलने का तरीका और हाव-भाव बदलने तक, उन्होंने इस किरदार के लिए काफी रिसर्च और मेहनत की है ताकि वह उस समय को सही तरीके से पर्दे पर दिखा सकें। अपने अनुभव के बारे में सई ने कहा, "यह प्रोजेक्ट मेरे लिए अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण और रोमांचक यात्राओं में से एक रहा है। खासकर प्री-इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा के लिए सिर्फ डायलॉग याद करना और सेट पर पहुंच जाना काफी नहीं होता। इसमें बहुत तैयारी करनी पड़ती है - उस समय के बारे में पढ़ना, रिसर्च करना, यह समझना कि लोग कैसे रहते थे, कैसे बात करते थे, कैसे खुद को प्रस्तुत करते थे और अपनी भावनाएं कैसे व्यक्त करते थे। उस दौर में हर चीज़ एक अलग अनुशासन और सादगी से जुड़ी होती थी, जो आज की दुनिया से काफी अलग है।" सई ने कहा, "मुझे सबसे ज़्यादा इस प्रक्रिया की बारीकियां आकर्षित करती हैं। आपकी बॉडी लैंग्वेज, बैठने-उठने का तरीका, कमरे में प्रवेश करने का अंदाज़ या बिना कुछ कहे प्रतिक्रिया देना - कुछ भी आधुनिक नहीं लगना चाहिए। इसके लिए आपको अपनी कई आदतों को छोड़कर एक नई शारीरिक और भावनात्मक शैली अपनानी पड़ती है। यह मुश्किल जरूर है, लेकिन यही इसे खास बनाता है। एक अभिनेता के तौर पर मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे ऐसी फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला, जो मुझे एक अलग दौर को समझने और खुद को बेहतर बनाने का मौका दे रही है।" इस प्रोजेक्ट को लेकर सई काफी उत्साहित हैं और उनका मानना है कि इस फिल्म ने उन्हें धैर्य, अनुशासन और अभिनय के कई अहम पहलू सिखाए हैं। अब वह इस फिल्म के जरिए इतिहास से जुड़ी कहानी को पूरी सच्चाई और गहराई के साथ दर्शकों तक पहुंचाने के लिए तैयार हैं, जो उनके करियर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो सकती है।

'धुरंधर 2' का जलवा, पहले दिन 100 करोड़ क्लब में शामिल

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2' ने रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए नया इतिहास रच दिया है। एडवांस बुकिंग और प्रिव्यू शोज में शानदार कमाई के बाद फिल्म ने पहले ही दिन रिकॉर्ड तोड़ कमाई करते हुए 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया। दर्शकों के जबरदस्त रिस्पॉन्स के चलते सिनेमाघरों में फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। ट्रेड रिपोर्ट्स के अनुसार, 'धुरंधर 2' ने पेड प्रिव्यू से भारत में करीब 43 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि रिलीज के पहले दिन ही फिल्म ने 102.55 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर सभी को चौंका दिया। इस तरह महज दो दिनों में फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 145.55 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। खास बात यह है कि फिल्म ने ओपनिंग डे कलेक्शन के मामले में जवान और एनिमल जैसी बड़ी फिल्मों को भी पीछे छोड़ दिया है। वहीं, साउथ सुपरस्टार पवन कल्याण की फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' को 'धुरंधर 2' से कड़ी टक्कर मिली। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म ने पहले दिन 31.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जो अपने आप में मजबूत शुरुआत मानी जा रही है, लेकिन 'धुरंधर 2' के मुकाबले यह आंकड़ा कम रहा। गौरतलब है कि पवन कल्याण की पिछली फिल्म 'दे कॉल हिम ओजी' ने पहले दिन 63.75 करोड़ रुपये की कमाई की थी।